mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-185 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

07 जुलाई 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

नीरज चोपड़ा ने ...
@ पेज 7

नेशनल हाईवे पर पिकअप में घुसी कार, 4 की मौत

बारां (एजेंसी)। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात करीब 12.30 बजे कार पेट्रोल पंप पर रुकी थी। इसके करीब आधा घंटा बाद उसका एक्सीडेंट हो गया। बारां में सड़क हादसे में कार सवार 4 लोगों की मौत हो गई। गड्ढा बचाने की कोशिश में कार बेकाबू होकर आगे चल रही पिकअप में घुस गई। कार सवार लखनऊ (यूपी) से कोटा जा रहे थे। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर गजनपुरा में हाड़ौती पैनोरमा के पास हुआ। बारां डीएसपी ओमेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि शनिवार देर रात हुए एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक युवती ने कोटा में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी में फंसे सभी घायलों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। इसके बाद इन्हें स्थानीय हॉस्पिटल में ले जाया गया। जहां से घायल युवती को कोटा रेफर किया गया।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान लखनऊ के रहने वाले नमन चतुर्वेदी (25), दिल्ली के राहुल प्रकाश (30), गोरखपुर की अंशिका मिश्रा (25) और लखनऊ की जया शर्मा (25) के तौर पर हुई है।

हिमाचल में 2 जगह फिर बादल फटा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में आज फिर दो जगह बादल फटा। ऊना में भारी बारिश के बाद स्वां नदी उफान पर आ गई।

मंडी जिले की चौहारघाटी सिल्हबुधानी के कोरतंग के नाले में रात ढाई बजे बादल फटने के बाद नाले में बाढ़ आई। इस घटना से कोई जानी नुकसान की सूचना नहीं है। मगर पैदल चलने वाली 3 छोटी पुलिया नाले में बह गई। वहीं, चंबा के चुराह में आज सुबह के वक्त बादल फट गया, जिससे कंघेला नाले में बाढ़ आने से नवनिर्मित पुल बह गया। पुल बहने से क्षेत्र की चार पंचायतों का शेष दुनिया से संपर्क पूरी तरह कट गया। यह पुल दो साल पहले भी बाढ़ में बह चुका है। ऊना में सुबह के वक्त भारी बारिश हुई। इससे स्वां नदी उफान पर है। ऊना के घालूवाल के झलेड़ा पुल के पास से इंडियन ऑयल का पेट्रोल पंप जलमग्न हो गया। झलेड़ा में गाड़ी के शोरूम में भी पानी भर गया। ऊना के धालूवाल में भी कई घरों में पानी भर गया। प्रदेश के कई भागों में बीती रात से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज यहां रेड अलर्ट जारी किया है।

कोलकाता गैंगरेप- वारदात के बाद आरोपी घंटों शराब पीते रहे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप केस में पुलिस ने नए खुलासे किए हैं। जांच में सामने आया है कि वारदात के बाद मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा और उसके साथी (प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद) ने कॉलेज के गार्ड रूम में घंटों तक शराब पी। सिक्योरिटी गार्ड पिनाकी बनर्जी को धमकाया कि वह इस घटना के बारे में किसी को कुछ न बताए। इसके बाद ईएम बाइपास पर एक ढाबे पर खाना खाने गए। फिर अपने-अपने घर लौट गए। पुलिस के अनुसार, घटना के अगले दिन 26 जून को मनोजीत मिश्रा को जब हालात की गंभीरता का एहसास हुआ तो उसने साउथ कोलकाता के देशप्रिय पार्क इलाके में रहने वाले एक प्रभावशाली व्यक्ति से संपर्क किया। वह व्यक्ति पहले भी उसकी मदद कर चुका था। हालांकि, इस बार उसने मनोजीत से पीछे हटने की सलाह दी। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में 25 जून को गैंगरेप एक छात्रा से गैंगरेप हुआ था। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा यहीं का पूर्व छात्र है। बाकी 2 आरोपी मौजूदा स्टूडेंट्स हैं। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा, जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी को 26 जून को गिरफ्तार किया गया था।

भिवानी में मुस्लिम परिवार के 2 घर फूंके

भिवानी। हरियाणा के भिवानी में रविवार को कुछ अज्ञात लोगों ने एक मुस्लिम परिवार के 2 घरों में आग लगा दी। साथ ही तोड़फोड़ करते हुए सामान भी बाहर फेंक दिया। घटना ढाणी मांहू गांव की है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सारा सामान जल चुका था। पुलिस मौके पर आई तो परिवार के लोग नहीं मिले। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ करने की कोशिश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। पड़ोसी पूरे विवाद पर चुप्पी साधे हुए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए घर के आसपास पुलिस फोर्स तैनात की गई है। ढाणी मांहू गांव के युवक अक्षय ने बताया कि घर बंद था। यहां पर कोई सदस्य नहीं थे। 15-20 लोग आए जिन्होंने अपने मुंह ढंक रखे थे। कुछ लोगों ने हाथों में हथौड़े ले रखे थे। उन्होंने आते ही घर में तोड़फोड़ की और उसके बाद आग लगा दी। 20 मिनट में घटना को अंजाम देकर भागे गए। जब आग लगी तो दूर तक आसमान में धुआं उठाता दिखा। इसके बाद दौड़कर लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की।

कर्नाटक के धर्मस्थल मंदिर में महिलाओं से रेप-हत्या के आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक के धर्मस्थल मंदिर के प्रशासन से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। मंदिर में काम कर चुके एक दलित सफाईकर्मी ने दावा किया कि इन्होंने उसे कई महिलाओं और बच्चियों की लाशें जलाने और दफनाने के लिए मजबूर किया। इन महिलाओं के साथ बलात्कार कर हत्या की गई थी। न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व सफाईकर्मी ने कहा कि वह 1998 से 2014 के बीच मंदिर में काम करता था।

पेसा मोबालाईजर की नियुक्ति के अधिकार अब ग्राम सभाओं को देगी सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।

अमरनाथ यात्रा- तीन दिन में 48,000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा के तीसरे दिन 21,109 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 16,159 पुरुष और 3,921 महिलाएं शामिल रहीं। 226 बच्चे, 250 साधु, 29 साध्वी, 521 सुरक्षाबलों के जवान और 3 ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। पहले 3 दिन में 47,972 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इस बीच 7000 यात्रियों का चौथा जत्था गांदरबल में बालटाल और अनंतनाग के पहलगाम में नुनवान बेस कैंप पहुंच गया है।

उद्धव गुट बोला- हम हिंदी विरोधी नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया था कि कक्षा 1 से 5 तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। इस जीत का जश्न मनाने के लिए शनिवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे सालों बाद एक मंच पर आए। इसके बाद तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि हिंदी विरोधी लड़ाई में शामिल होने के लिए उद्धव और राज को बधाई। इसके बाद उद्धव की शिवसेना ने रविवार को साफ किया कि

उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं है। पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा;- तमिलनाडु में जो हिंदी विरोध है, उसमें वे न हिंदी बोलते हैं और न दूसरों को बोलने देते हैं, लेकिन महाराष्ट्र में हमारा ऐसा कोई रुख नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं, यहां हिंदी फिल्में, थिएटर और संगीत भी है। हमारी लड़ाई सिर्फ प्राथमिक शिक्षा में हिंदी थोपने के खिलाफ है। राउत ने कहा कि डीएमके नेता एम.के. स्टालिन को उनके संघर्ष के लिए शुभकामनाएं, लेकिन हमारी सीमाएं स्पष्ट हैं। उद्धव-राज ठाकरे बोले- मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी, तो हम गुंडे महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में मराठी विजय रैली% की।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से सरकारी बंगला जल्द खाली कराएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपने सरकारी बंगले (5, कृष्ण मेनन मार्ग) में तय समयसीमा से ज्यादा रह गए हैं। अब सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा कि पूर्व सीजेआई से उनका बंगला जल्द खाली कराया जाए, ताकि हम उसे कोर्ट के हाउसिंग पूल में शामिल कर सकें। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई को मिलाकर 33 जज हैं। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सेंक्शन संख्या 34 है। शीर्ष कोर्ट के चार जजों को अभी तक सरकारी बंगला नहीं मिला है। 3 जज सुप्रीम कोर्ट के ट्रांजिट

अपार्टमेंट जबकि एक जज स्टेट गेस्ट हाउस में रह रहे हैं। शीर्ष कोर्ट ने जल्द से जल्द 5, कृष्ण मेनन मार्ग बंगला लौटाए जाने की मांग की है।

खेमका की हत्या पर राहुल बोले- बिहार क्राइम कैपिटल बना

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका की सरेआम हत्या पर राहुल गांधी ने बिहार को भारत की %क्राइम कैपिटल% कहा है। राहुल ने सोशल मीडिया ङ्ग पर लिखा कि अपराध बिहार में न्यू नॉर्मल बन चुका है। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पटना में व्यवसायी की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है - और

सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि एनडीए के शासन में अब तक 65,000 हत्याएं हो चुकी है फिर भी यहां मंगलराज है। मजाल है अचेत मुख्यमंत्री किसी घटना पर कोई व्यक्तव दे सके इससे पहले खेमका के भाई शंकर खेमका ने भी कहा था, सरकार के लोग लालू प्रसाद के राज को जंगलराज कहते हैं। लेकिन, हमारे लिए तो उससे बड़ा जंगलराज अभी है। बिहार सरकार ऑर्गेनाइज क्राइम चला रही है। सभी जगह ब्लैक मार्केटिंग है। हर जगह लूट है। बिजनेसमैन खेमका की पटना में शुक्रवार (4 जुलाई) को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

शिवराज-खट्टर समेत 6 चेहरे भाजपा अध्यक्ष की रेस में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। न्यूज एजेंसी-ह्ल्ल के मुताबिक, भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50त्न राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं।

विनेश फोगाट के गृहजिले में बृजभूषण बोले- मैं शरीफ आदमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह रविवार (6 जुलाई) को हरियाणा में पहलवान विनेश फोगाट के गृह जिले चरखी दादरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वियतनाम में अंडर-17 एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहलवान रचना परमार को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम राजपूत सभा ने रखा था। जिसका फोगाट खाप विरोध कर रही थी। इसी वजह से माहौल तनावपूर्ण रहा लेकिन कड़ी पुलिस सुरक्षा में कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से निपटा।

बृजभूषण ने भाजपा नेता व पूर्व पहलवान योगेश्वर दत्त को भी सम्मानित किया। इस दौरान बृजभूषण ने मंच से बोल रहे वक्ताओं को उनका पहलवानों से विवाद और खाप पंचायतों के उनके दौरे के विरोध को लेकर बोलने से रोक दिया। जिसने भी बोलने की कोशिश की, बृजभूषण इशारा कर उसे बीच में ही रोकते रहे। इस दौरान बृजभूषण ने कहा कि मैं शरीफ आदमी हूं। हालांकि विवादों से मेरा पुराना नाता रहा है। कुश्ती में ओलिंपिक मेडल न मिलने की बात कहते हुए बृजभूषण ने कहा कि हरियाणा का ही कोई सपूत यह मेडल लाएगा।

पटना में गोपाल खेमका का अंतिम संस्कार

पटना (एजेंसी)। बिहार के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका का आज यानी रविवार को पटना के गुलबी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। छोटे बेटे गौरव खेमका ने पिता के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। पिता की हत्या की खबर सुनकर स्कॉटलैंड से बेटी गरिमा खेमका घर पहुंचीं और पिता के शव से लिपटकर रो पड़ीं। सुबह से ही काटारुका निवास पर लोगों का आना जाना लगा रहा। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी गोपाल खेमका के घर पहुंचे, परिवार से मिले। उन्होंने कहा- कारोबारी की हत्या हमारे लिए चुनौती है। अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने परिवार से मुलाकात के बाद कहा- बिहार में सरकार फेल है।

देश की पहली महिला फाइटर पायलट का हरियाणा कनेक्शन

हिसार (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट बनीं सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया का हरियाणा से नाता है। उनका पुश्तैनी गांव हरियाणा के हिसार का लाडवा है। इस गांव में एक कुर्सीनामा (पुश्तैनी रिकॉर्ड) मौजूद है।

इस कुर्सीनामा में जिक्र है कि गांव लाडवा को बसाने वाले नेता पूनिया की 15वीं पीढ़ी हिसार से यूपी चली गई। अखिल भारतीय

सर्वजातीय पूनिया खाप के हरियाणा प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार इसी लाडवा गांव से हैं। वह बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में 5 गांव पूनिया गोत्र के हैं। हिसार के लाडवा गांव से गए पूनिया गोत्र के लोग वहां जाकर बस गए। लाडवा से निकलकर पहले नेक गांव गए, यहां करीब 52 हजार बीघा जमीन पूनिया गोत्र के लोगों के पास थी। इसके बाद सरुरपुर खुर्द गांव में बसे।

आप सांसद बोले-ऑपरेशन सिंदूर पर चीन ने पाक को भड़काया

जालंधर (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर अशोक मित्तल ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल लंबे समय से भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के लिए होता रहा है, लेकिन इस बार भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए एक सख्त और साहसिक संदेश दिया है। सांसद मित्तल ने दावा किया कि पाकिस्तान को उकसाने और समर्थन देने में चीन की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि अब देश अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। मित्तल ने कहा कि चीन लगातार पाकिस्तान को रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी मदद देकर भारत के खिलाफ साजिशें रचता रहा है।

पैरामेडिकल काउंसिल में घोटाला, घूस लेकर कॉलेजों को फर्जी मान्यता

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल में मान्यता के नाम पर बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। सूत्रों के अनुसार, राजधानी के कुछ कॉलेजों को बिना मानकों के मान्यता दी जा रही है, जिसके बदले 2 से 3 लाख रुपये की घूस ली जा रही है। इस गोरखधंधे में काउंसिल के रजिस्ट्रार और कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप है।जानकारी के मुताबिक, इन कॉलेजों में न तो पर्याप्त स्टाफ है, न ही जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर। छात्रों की ट्रेनिंग के लिए बताए गए हॉस्पिटल भी सिर्फ कागजों पर मौजूद हैं। ऐसे में पढ़ाई और ट्रेनिंग केवल दिखावा बनकर रह गई है, जिससे छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।सूत्रों ने बताया कि काउंसिल का एक कर्मचारी कॉलेज प्रतिनिधियों को फोन कर भोपाल कार्यालय बुलाता है, जहां रजिस्ट्रार से मुलाकात के बाद घूस की डील फाइनल होती है। ऐसे फर्जी कॉलेजों से पास होने वाले छात्रों की योग्यता पर नौकरी या इंटर्नशिप के दौरान सवाल उठते हैं, जिससे न केवल उनका करियर प्रभावित होता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी दांव पर लग रही है।इस मामले में सरकार और स्वास्थ्य शिक्षा विभाग से गहन जांच की मांग उठ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ मान्यता प्रक्रिया को पारदर्शी और ऑनलाइन सिस्टम से नियंत्रित करना जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह के फर्जीवाड़े पर रोक लगे और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे।

मुख्यमंत्री ने मूंग उत्पादन का 40 प्रतिशत खरीदी का लक्ष्य निर्धारित करने का किया आग्रह

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से किसानों के हित में मूंग के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत समर्थन मूल्य पर क्रय करने का लक्ष्य निर्धारित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विपणन वर्ष 2025-26 में ग्रीष्मकालीन मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,682 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। प्रदेश में इस वर्ष मोबाइल ऐप के माध्यम से की गई गिरदावरी में ग्रीष्मकालीन मूंग के क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है।

रेलवे प्लेटफार्म पर दौड़ी कार

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के भोपाल रेलवे प्लेटफार्म पर कार और स्कूटर दौड़ रहे हैं। शनिवार तड़के ऐसे ही दो मामले सामने आए। एक कार सवारियों को लेकर प्लेटफार्म नंबर छह पर दूर तक आई। वहां यात्रियों को उतारकर लौट गई। वहीं प्लेटफार्म नंबर पांच पर एक स्कूटर से यात्री को छोड़ा गया। दोनों मामलों में आरपीएफ और जीआरपी सोती रही। यात्रियों की शिकायत के बाद एक्शन शुरू हुआ। कार मालिकों को गिरफ्तार कर उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। उनके वाहनों को जब्त कर लिया गया है। शनिवार को सुबह-सुबह प्लेटफार्म नंबर छह पर एक कार (एमपी04 सीसी 1317) को यात्रियों को उतारते हुए देखा गया। वहां मौजूद यात्रियों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वहीं लोगों ने रेल मदद पोर्टल व ट्विटर के ज़रिए रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की।

भोपाल का सर्पीला ओवरब्रिज बना हादसों का कारण

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी भोपाल का सुभाष नगर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है, लेकिन तारीफों के लिए नहीं, बल्कि इसके सर्पीले और खतरनाक डिजाइन को लेकर। इस ओवरब्रिज पर आठ घंटे के भीतर दो सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें गाड़ियाँ डिवाइडर से टकराकर पलट गईं। गनीमत रही कि इन हादसों में किसी की जान नहीं गई, लेकिन पुल की निर्माण गुणवत्ता और डिजाइनिंग पर गंभीर सवाल जरूर खड़े हो गए हैं।

मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया योजना के क्रियान्वयन का अध्ययन

भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग से प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली के निदेशक श्री ऋग्वेद मिलिंद ठाकुर ने शनिवार को भेंट की। यह भेंट श्री ठाकुर के दो दिवसीय भोपाल प्रवास के दौरान संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत राज्य में खेल अधोसंरचना, नवाचार, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के विकास संबंधी पहलुओं का प्रत्यक्ष अध्ययन करना था। मंत्री श्री सारंग ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित 'खेलो इंडिया' पहल को प्रदेश में सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्रियान्वित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 'खेलो बढ़ो अभियान' के माध्यम से भी नवोदित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतिस्पर्धा के मंच उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में खेल अधोसंरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री ठाकुर ने भेंट के दौरान मध्यप्रदेश सरकार द्वारा खेलो इंडिया योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश ने न केवल योजनाओं को धरातल पर उतारा है, बल्कि खेल अधोसंरचना और प्रतिभा संवर्धन के क्षेत्र में कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से खेलों के प्रति युवाओं में जोश और उत्साह का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में भारत को ओलंपिक जैसे वैश्विक आयोजनों में और अधिक पदक दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। श्री ठाकुर ने अपने दौरे की समापन टिप्पणी में कहा कि मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया योजना को अत्यंत समर्पण एवं व्यावसायिक दक्षता के साथ लागू किया गया है। राज्य की खेल अधोसंरचना, नवाचारों और अकादमिक पहल से यह स्पष्ट है कि प्रदेश खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन 4 जुलाई 2025 को श्री ठाकुर ने

भोपाल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा खेलो इंडिया योजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (रोइंग, शूटिंग और हॉकी), राज्य में संचालित 52 खेलो इंडिया सेंटर्स और खेलो इंडिया एथलीट स्कीम की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों ने योजना को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। बैठक में वर्ष 2022 में भोपाल में सफलतापूर्वक आयोजित 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' के अनुभवों और उससे प्राप्त प्रशासनिक सीखों पर भी चर्चा की गई। चर्चा के दौरान योजना की संचालन व्यवस्था, लॉजिस्टिक प्रबंधन, खिलाड़ियों की सहभागिता और जन-भागीदारी जैसे विषयों पर गहन संवाद हुआ। दौरे के दूसरे दिन श्री ठाकुर ने खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, भोपाल का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों, सहायक स्टाफ और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद कर उनके अनुभवों एवं सुझावों को जाना। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, चिकित्सा सहायता, पोषण, खेल मनोविज्ञान और तकनीकी सुविधाओं की उपलब्धता जैसे पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया। उन्होंने मध्यप्रदेश की प्रमुख खेल अकादमियों इक्वेस्ट्रियन, शूटिंग, हॉकी तथा वॉटर स्पोर्ट्स का दौरा कर खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी आवश्यकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा। दौरे के अंतर्गत वे नाथू बरखेड़ा में निर्माणाधीन आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी पहुंचे और वहां प्रगति की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा से मिले नेशनल चैम्पियनशिप विजेता आर्म रेसलर भाई-बहन रोहित और खुशी

भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा से शनिवार को उनके निवास पर केरला के त्रिसुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप-2025 पंजा कुश्ती (आर्म रेसलिंग) में स्वर्ण पदक विजेता रोहित सिंह और उनकी बहन कांस्य पदक विजेता खुशी लहरिया ने भेंट की। नेशनल चैम्पियनशिप में रोहित सिंह ने 2 स्वर्ण पदक और खुशी लहरिया ने 1 कांस्य पदक जीता है। उप मुख्यमंत्री ने रोहित सिंह और खुशी लहरिया के पदक जीतने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने मध्यप्रदेश का नाम देश में रोशन किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में मध्यप्रदेश के साथ देश का नाम भी रोशन करें। भाई-बहन रोहित एवं खुशी के कोच विक्रम अवार्डी श्री मनीष कुमार के कुशल नेतृत्व एवं प्रशिक्षण से दोनों भाई-बहन ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उनके माता-पिता ने बताया कि प्रशिक्षण एवं लगन की बल पर दोनों बच्चों ने स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीता है।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' वृहद वृक्षारोपण अभियान

भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल द्वारा संस्थान के सामान्य परिषद के अध्यक्ष श्री इंदर परमार उच्च शिक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में वृहद वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम अभियान किया गया।अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की शुरुआत पौधों की पूजा अर्चना एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेकर की गई।संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल द्वारा संदेश दिया गया कि वृक्ष केवल हरियाली का प्रतीक नहीं होते, बल्कि वे जीवन के अस्तित्व की नींव हैं। हर व्यक्ति का एक छोटा प्रयास भी पृथ्वी को हरा-भरा और स्वच्छ बना सकता है। तत्पश्चात वरिष्ठ पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवक श्री अशोक पटरथ की प्रेरणा एवं सौजन्य से संस्थान में 200 पौधे लगाये गये, जिसमें फूलों से लेकर बड़े वृक्ष जैसे अशोक, नीम, तुलसी, अर्जुन, बड़, अमरूद, बेल, गुलमोहर, आंवला, जामुन, गुड़हल, सीताफल, नीलगिरी, पलाश, बादाम, चाँदनी, गुलमोहर, अमलतास, कनेर, हर्रा, करोंदा, वटवृक्ष, निंबू, चमेली सम्मिलित है। यह पहल न केवल पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली से भरपूर और स्वच्छ वातावरण तैयार करने की दिशा में भी एक अहम कदम होगी।

एक पेड़ माँ के नाम卐 अभियान दिल से जुड़ी एक सुंदर पहल है।

बिना नौकरी किए 12 साल तक आरक्षक को मिलता रहा वेतन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश पुलिस अपने एक आरक्षक को पिछले 12 सालों से बिना एक दिन काम किए वेतन देती रही है। इस आरक्षक को भर्ती के बाद बुनियादी प्रशिक्षण के लिए भोपाल पुलिस लाइन से सागर भेजा गया था। आरक्षक प्रशिक्षण केंद्र न जाकर विदिशा स्थित अपने घर चला गया। तबसे सरकार हर महीने तय समय पर उसके खाते में वेतन भेजती रही। 10 साल बाद पदोन्नति के लिए उसे बुलाया गया तब मामला खुला, अब पुलिस की आंतरिक जांच चल रही है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में विदिशा के रहने वाले आरक्षक की नियुक्ति भोपाल में हुई थी। बैच के अधिकतर आरक्षकों के प्रशिक्षण केंद्र जाने के बाद उसने पुलिस लाइन में आमद दी थी। तत्कालीन आरआइ ने उसे पत्रावली देकर सागर स्थित प्रशिक्षण केंद्र भेजा था, लेकिन आरक्षक वहां पहुंचने की बजाए अपने घर चला गया। प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारियों ने भी उसके वहां नहीं पहुंचने की सूचना भोपाल लाइन को नहीं दी। जब छह महीने का प्रशिक्षण पूरा कर अन्य आरक्षक भोपाल पुलिस लाइन में वापस पहुंचे तो अधिकारियों ने उसकी जांच नहीं की। कागजों में उसकी नियुक्ति पुलिस लाइन भोपाल में दिखती रही। इस तरह बगैर नौकरी किए 12 साल तक हर महीने उसके खाते में वेतन पहुंचता रहा। करीब 144 महीने में उसके खाते में 28 लाख से ज्यादा की राशि पहुंच गई।

राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा। आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वाइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वाइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारियों- कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जातिगत जनगणना की प्रक्रिया भी आरंभ हो रही है।

पशुपालन और जूनोटिक रोग: जोखिम और ज़मिदारी दोनों आपकी

भोपाल (एजेंसी)। जूनोटिक बीमारियाँ वे बीमारियाँ होती हैं जो पशुओं और इंसानों के बीच फैल सकती हैं। ये बीमारियाँ पशुओं और इंसानों दोनों को प्रभावित कर सकती हैं एवं कभी-कभी गंभीर रूप से या जानलेवा भी हो सकती हैं। इनसे पशुपालकों को अधिक खतरा होता है। पशुओं के साथ ज़्यादा समय बिताने से संपर्क बढ़ता है, जिससे जोखिम भी बढ़ता है। जूनोटिक बीमारियाँ तब फैलती हैं जब इंसान किसी संक्रमित पशु या उससे जुड़ी वस्तुओं के संपर्क में आता है। कुछ आम जूनोटिक बीमारियों में रेबीज शामिल है, जो पशु के काटने से फैलती है और समय पर टीका न लगवाने पर जानलेवा हो सकती है। ब्रुसेलोसिस संक्रमित पशुओं के दूध या सीधे संपर्क से फैलती है, जिससे बुखार, जोड़ों में दर्द और गर्भपात हो सकता है। टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) संक्रमित पशुओं के संपर्क, दूध या मांस के सेवन से फैल सकती है। एंथ्रेक्स संक्रमित जीवित या मृत पशुओं और उनके उत्पादों से फैलता है। बर्ड फ्लू बीमार पक्षियों या उनकी बीट के संपर्क से फैलता है, जबकि साल्मोनेला कच्चे मांस, दूध या अंडों के ज़रिए इंसानों में संक्रमण फैला सकता है। इन जूनोटिक बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतना बेहद ज़रूरी है। बीमार या मरे हुए पशुओं से दूरी बनाए रखें और उन्हें बिना सुरक्षा उपकरणों के न छुए।

पशुओं के शवों का निपटान निर्धारित प्रक्रिया अनुसार करें। बच्चों को बीमार पशुओं से दूर रखें। हमेशा दूध को उबालकर और मांस व अंडों को अच्छी तरह पकाकर ही सेवन करें। पशुओं का नियमित टीकाकरण कराएं, विशेषकर रेबीज और ब्रुसेलोसिस जैसी बीमारियों के टीके अवश्य लगाए।

पशुओं की देखभाल करते समय दस्ताने, मास्क और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का उपयोग करें।

पौधरोपण में वैज्ञानिक और टिकाऊ तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक बगिया मां के नाम परियोजना, गंगोत्री हरित योजना और नर्मदा परिक्रमा पथ जैसी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन योजनाओं के तहत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रदेश के 2101 इंजीनियर और 626 कृषि सखी को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जल-भूमि प्रबंध संस्थान, भोपाल और क्षेत्रीय ग्रामीण विकास-पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पौधरोपण कार्य वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से किया जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने निर्देश दिए हैं कि नदियों के उद्गम स्थलों पर पौधरोपण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों में पौधरोपण कर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने एक बगिया मां के नाम परियोजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बताया। मनरेगा के अंतर्गत प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारियों में 36 कार्यपालन यंत्री आरईएस, 215 सहायक यंत्री, 47 डीपीएम एसआरएलएम और 1803 उप यंत्री शामिल हैं। इन्हें पौधरोपण की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है, जिससे वे इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कर सकें। प्रदेश में पहली बार पौधरोपण कार्य में अत्याधुनिक तकनीक सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से संबंधित जिलों की जलवायु, मिट्टी की गुणवत्ता, एग्रो क्लाइमेट ज़ोन, स्थल चयन और पानी की उपलब्धता जैसी जानकारियां जुटाकर पौधों की उपयुक्त प्रजातियों का चयन किया जाएगा। जहां सॉफ्टवेयर उपयुक्तता नहीं दिखाता, वहां पौधरोपण नहीं किया जाएगा, जिससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए 626 कृषि सखी को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कृषि सखी बाद में अन्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को पौधारोपण की तकनीक, पौधों के चयन और देखरेख के बारे में प्रशिक्षण देंगी और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगी।

डेंगू और फूड पाइजनिंग के मरीज बढ़े

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी (क्द्धश्च्श्चङ्ग्य) में लगातार हो रही तेज बरसात को देखते हुए सभी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। बरसात के मौसम में मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड, फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियों के बढ़ने की आशंका को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय ने सभी अस्पतालों को बेहतर इलाज प्रबंधन के निर्देश दिए हैं। अब अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं का भंडारण, जांच की सुविधाएं और बिस्तर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही साफ-सफाई, पानी का रिसाव न हो, और मरीजों को बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक करने जैसे उपायों पर भी जोर दिया गया है। भोपाल जिले में प्राथमिक और संजीवनी क्लीनिक को मिलाकर 85 अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र हैं। इन सभी पर बीएमओ और सीएमएचओ स्तर के अधिकारी नियमित निगरानी करेंगे। अस्पताल भवनों की स्थिति पर भी ध्यान देने को कहा गया है, ताकि पानी भराव या सीलन जैसी समस्याएं मरीजों के इलाज में बाधा न बनें। स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि जहां मरीजों की संख्या अधिक है, वहां बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल इलाज की व्यवस्था की जाए। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए अलग से विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अस्पतालों में नियमित साफ-सफाई हो, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। जेपी अस्पताल में बरसात से जुड़ी बीमारियों में बढ़ोतरी जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि बरसात शुरू होते ही अस्पताल में वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज बढ़ने लगे हैं। खासतौर पर दस्त, उल्टी, फूड पाइजनिंग और टायफाइड जैसे मामलों में इजाफा हुआ है। हमने ओपीडी और इमरजेंसी में विशेष सावधानी और अतिरिक्त स्टाफ की व्यवस्था की है।

15 लाख छात्रों को सीएम बांटेंगे मुफ्त साइकिल

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने विद्यार्थियों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें बड़ी संख?या में निशुल्क साइकिल दी जा रही है। इसके दिशा-निर्देश जारी करने के बाद अब इसके कार्यक्रम की घोषणा भी कर दी गई है। इसमें कक्षा छठवीं और नवीं के विद्यार्थियों को साइकिल दी जाएगी। अब इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स के माध्यम से जानकारी साझा की है। उन्होंने एक पोस्टर शेयर करते हुए कहा कि 10 जुलाई को प्रदेश में 15 लाख से अधिक स्कूली विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की जाएंगी।

दस मिनट स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व शहीदों के पुण्य स्मरण के नाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीदों के पुण्य स्मरण की श्रृंखला में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति रीवा के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय पंडित ठाकुर दास शर्मा ष्स्वाधीनष् के पौत्र अवनीश शर्मा के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित आवास पर राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहणकर राष्ट्रगीत का समूह गान किया गया , तत्पश्चात पंडित ठाकुरदास शर्मा स्वाधीन के चित्र में माल्यार्पण कर पुण्य स्मरण किया गया तथा उनके उत्तराधिकारियों श्रीअवनीश शर्मा, डॉक्टर अनुराग शर्मा, राजेंद्र शर्मा, अभिषेक शर्मा अंकुर शर्मा का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तराधिकारी परिवार समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष डा राजा भइया मिश्रा प्रदेश संगठन सचिव डॉक्टर पद्मावती पांडे अभिषेक शर्मा जिला अध्यक्ष श्री प्रशन्न सिंह परिहार पूर्व जिला खाद्य अधिकारी श्री महेंद्र त्रिपाठी महिला शाखा प्रभारी सुश्री रूपाली सिंह तिवारी, डा बी एल भूतिर्या राष्ट्रीय तार समिति सदस्य शरद दुबे विमल दीक्षित, प्रभात दीक्षित भगत सिंह अनिल सिंह तिवारी देवेंद्र शास्त्री के अतिरिक्त विधायक प्रतिनिधि राजेश पांडे एवं अन्य गणमान्य सदस्यगण उपस्थित रहे ।

सिन्धु भवन में पौधारोपण अभियान, नगर निगम का 1 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम रीवा, व्यापारी महासंघ रीवा, सिन्धी सेंट्रल पंचायत और सिन्धु भवन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सिन्धु भवन प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता और सिन्धी सेंट्रल पंचायत व सिन्धु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह की उपस्थिति रही। नगर निगम ने शहर में 1 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है, जिसमें व्यापारी महासंघ ने 5000 विभिन्न प्रजातियों के पौधे उपलब्ध कराए। आयुक्त ने महासंघ का आभार जताया।

सिन्धी सेंट्रल पंचायत ने आयुक्त का पुष्पगुच्छ और शॉल से अभिनंदन किया। कार्यक्रम के बाद आयुक्त ने हाल ही में आयोजित यूपीएससी काउंसलिंग सेमिनार के छात्रों से मुलाकात की और सिविल सेवा की तैयारी, लक्ष्य निर्धारण व सफलता के गुर साझा किए। उन्होंने अपनी प्रशासनिक यात्रा के अनुभव बताते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि समर्पण और निरंतर सुधार से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। कार्यक्रम में प्रहलाद सिंह, लद्दाराम ठारवानी, चंदीराम केसवानी, कन्हैया लाल मंगलानी, नंदलाल कोटवानी, सुशील कुंगवानी, संजीव गुप्ता, गुलाब साहनी, महेश हीरवानी, हरीश वाधवानी, वेद प्रकाश गुप्ता, प्रभात सोनी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। आयुक्त ने पुलिस परेड ग्राउंड में अगले दिन होने वाले 5000 पौधों के वृहद पौधारोपण कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया और सभी से शहर को हरा-भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण में सहयोग की अपील की।

ताम्रकार फिलिंग स्टेशन को मिला स्वच्छता व खूबसूरती का अवॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, सतना/उचेहरा (निप्र)। सतना जिले भर में सबसे स्वच्छ और सबसे खूबसूरत पेट्रोल पंप का अवार्ड ताम्रकार फिलिंग स्टेशन को इंडियन ऑयल डिविजनल रिटेल सेल्स हेड जबलपुर डिविजनल ऑफिस की ओर से पप के ऑनर डॉ. पवन ताम्रकार को दिया गया है। यह पंप सतना मैहर मार्ग के मध्य पिपरी गांव के समीप बना हुआ है जो अपनी खूबसूरती से सुर्खियां बटोर रहा है। यहां पर आने वाले आमजन को वह सभी सुविधाएं मिलती है। जो इंडियन आयल द्वारा मानक रखा गया, इस तरह यहां पर आने वाला हर सख्श एक बार डीजल पेट्रोल भरवाने अपने वाहन पर आता है। जो पुनः आता है। जो यहां का नजारा बरबस हर हितग्राही को खींच लेता है इसलिए देख लोग वहां पर जाने से अपने आप को रोक नहीं पाते वहां पर लगे फब्बारा टिमटिमाती हुई लाइटे सबका मन मोह लेती हैं।

इमाम आली मकाम की शहादत की याद में निकला ताजिये का जुलूस

जगह-जगह लंगर शर्बत ढोल अखाड़ो ने दिखाए करतब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अल्लाह रब्बुल इज्जत के महबूब नबी इस्लाम धर्म के अखिरी पैगम्बर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम के नवासे करबला के जंगी मैदान में अपने आल (परिवार) के साथ शहादत देने वाले शहीदे आजम हजरत इमाम हुसैन रजि अल्ला तआला अन्हो की याद में कल देर रात सभी ताजिया चौको पर ताजिया रख कर फातिहा दरूद किया गया मोहर्रम का मुख्य जुलूस बाद नमाज जोहर 2:30 बजे से प्रारम्भ हुआ सभी ताजिया ढोल अखाड़ा गिरो अलम के साथ अपने-अपने चौको से चलकर शाहभोलन सिटी कोतवाली पहुचे तथा वहां हाजिरी के बाद मुख्य जुलूस फोर्ट रोड अशोक बाबा सिंधी चौराहा, स्टेचू चौराहा, प्रकाश चौराहा होकर छोटी दरगाह शरीफ पहुंचा उक्त आशय की जानकारी प्रेस को जारी करते हुए कमेटी के सरपरस्त एवं प्रवक्ता एड0 महमूद खान ने बताया कि छोटी दरगाह में अखाड़ो के नौजवानो ने जोरदार खेल का प्रदर्शन कर करबला की जंग की याद को ताजा कर दिया। इस मौके पर ढोल अखाड़ा, गिरोह पार्टियों ने भी अपने फन का इजहार किया। छोटी दरगाह में जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष इकबाल खान, इंतजामिया कमेटी छोटी दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अनस अब्बासी एवं मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों ने ताजियादारो का इस्तकबाल कर उन्हे चादर तबरूक देकर कर्बला शरीफ के लिये रवाना किया। यहां से बिछिया की ताजिया धोबिया टंकी गुढ़ चौराहा होकर बिछिया कर्बला की ओर रवाना हुई तथा शहर की बांकी ताजिया ढोल, गिरोह अलम कर्बला शरीफ बड़ी दरगाह पहुचे। जहां ताजिये के बिस्तार को कर्बला में ठंडा किया गया तथा फातिहा पढ़ी गई। उल्लेखनीय है कि यहां तर्बरूख के रूप में चटनी रोटी दी जाती है जिसे पाने के लिये हजारो की संख्या में महिला पुरूष एकत्र रहे। छोटी दरगाह में कार्यक्रम का संचालन जिला मोहर्रम कमेटी के प्रवक्ता एड0 महमूद खान ने किया आज सुबह से ही मोहर्रम यौमे आसूरा के मौके पर जगह-जगह मिलाद, शरबत, लंगर का एहतमाम किया गया तथा जिक्रे हुसैन की महफिले सजाई गई। मुस्लिम भाइयों ने यौमे आसूरा की दो रकात नफिल नमाज भी अदा की तथा दुआ मांगी। शहर के साथ रीवा जिले के कस्बाई इलाको में भी मोहर्रम का त्योहार पूरी अकीदत मंदी के साथ मनाया गया। जुलूस में लगभग 80 ताजिया, 15 ढोल, 04 अखाड़े, 12 गिरोह एवं अलम के साथ 25 हजार लोगो ने शिरकत की। त्योहार के मौके पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम प्रशासन सहित सभी विभागो द्वारा आवश्यक प्रबंध किये गये थे। मोहर्रम का त्योहार शान्ति एवं सदभाव पूर्वक सम्पन्न होने पर जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष इकबाल खान, कार्यकारी अध्यक्ष मुनाफ खान, तारिफ खान जानी, वसीम अब्बासी, सरपरस्त एवं प्रवक्ता एड0 महमूद खान, सचिव एड0 रियाजुद्दीन डब्बू, इन्तजामिया कमेटी छोटी दरगाह के अध्यक्ष अनस अब्बासी, बड़ी दरगाह अमहिया के अध्यक्ष इकबाल खान चॉद, मोहर्रम कमेटी के उपाध्यक्ष मोइनुद्दीन शेख, अरशद अब्बासी, इस्लाम अहमद गुड्डू, अरबाज अहमद, एड. नूरूल हसन, शेख एखलाख, सद्दाम चौहान, जुबैर खान, कोषाध्यक्ष वसीम खान मून, मोहम्मद अली, जुलूस क्वार्डिनेटर आदिल खान राजू, सह-सचिव मो0 शकील, अनवर सौदागर, इनायत रब्बानी, वासू खान, सुहैल खान, शाहिद पठानिया, हसनैन अंसारी, नदीम खान, फहीम खान, मो0 शाहिद अंसारी, आदि ने जुलूस का नेतृत्व किया एवं जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, मीडिया सहित सभी हिन्दू मुस्लिम भाइयों के प्रति शुक्रिया का इजहार किया है।

समाजसेवी ज्ञानचंद हासवानी ने पेश की मानवता की मिसाल

70वें जन्मदिन पर किया 103वां रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाज सेवी ज्ञानचंद हासवानी ने अपने 70वें जन्मदिन पर 103वां रक्तदान कर एक अनूठी मिसाल कायम की है। धर्म और वर्ग से परे मानवता की सेवा को समर्पित हासवानी का रक्तदान के प्रति जुनून और जज्बा प्रेरणादायक है। 6 जुलाई, रविवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने न केवल स्वयं रक्तदान किया, बल्कि उनके पुत्र जयंत हासवानी और पुत्रवधू आराध्या हासवानी ने भी रक्तदान कर इस नेक कार्य में योगदान दिया।सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि हासवानी परिवार की इस पहल ने समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम किया है। समिति ने उनके इस सेवा कार्य के लिए बधाई दी और उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की।रक्तदान कार्यक्रम में समिति के संरक्षक गोपी गेलानी, प्रह्लाद जी, डॉ. देवेंद्र पटेल, रक्त कोष अधिकारी राम भाई त्रिपाठी, सविता सिंह, अंकित पांडे, एल.के. वर्मा, मनीष सदानी, बंसी नागदेव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समिति के अन्य सदस्यों, जिनमें श्रीचंद मनवानी, मनोहर डिगवानी, ज्ञान खटवानी, इंद्रलाल आडवाणी, संजय वाधवानी, महेश रावलानी, गंगाराम सचदेव, दिलीप सोनी, अमित कामरानी, रंजीत सेनानी, जितेंद्र गावरी, गोपीचंद कापड़ी, विजय जग्यासी, अशोक चांदवानी, बसंत खत्री, दीपक वाधवानी, केशव मखीजा, राजेश कोटवानी, राजकुमार साधवानी, मनीष टेकवानी, पंकज आहूजा, अमित घोघवानी, आकाश बनर्जी, मनमोहन माहेश्वरी, आशीष मोगिया, बसंत शर्मा, निक्की मनचंदानी, विशाल राजपाल, संजय आहूजा, बंसी नागदेव, और महिला मंडल से मोना चोपड़ा, राखी होतचंदानी, डॉ. मनीषा सोई, डॉ. विद्या पांडे, कशिश नागदेव, सिमरन होतचंदानी, निशा गोयल, आभा सिंह, रशिम जैन, प्रेरणा जादवानी, और अनामिका सोनी ने हासवानी परिवार को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मऊगंज में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मऊगंज भाजपा कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व विधायक गिरीश गौतम ने कहा कि कांग्रेस ने देश के बंटवारे और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 लागू कर देश के साथ पाप किया। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान दिया। वे युगपुरुष, शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे, जिन्होंने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि भाजपा और देश हमेशा डॉ. मुखर्जी के संघर्षों व आदर्शों को याद रखेगा।

उनके बताए मार्ग पर चलकर कार्यकर्ताओं को जनसेवा का संकल्प मजबूत करना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश को सांस्कृतिक व सामाजिक एकता के सूत्र में पिरोने के लिए नए विचार दिए। उनके त्याग और बलिदान से ही भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना। कार्यक्रम में वृक्षारोपण भी किया गया। डॉ. एस.एस. तिवारी, जय प्रकाश मिश्रा, प्रकाश चौरसिया, अवधबिहारी पाण्डेय, महेंद्र सिंह, सरिता पटेल, बी.आर. शैलानी, सनद पटेल, अशोक साकेत, अमित सिंह, सुनील शुक्ला, मुरलीधर द्विवेदी, मुन्द्रिका पटेल, विनोद कोल, विभा शर्मा, नागेंद्र पटेल, नईगढ़ी नगर परिषद अध्यक्ष नागिता गुप्ता, बृजेन्द्र गुप्ता, शिवेंद्र पाठक, कीर्ति कुमार मिश्रा, संतोष अवधिया, राजेश सर्राफ, भरत पाण्डेय, सुशीला दुबे, शिवपूजन शुक्ला, राजू कोल, रामदरश पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 162.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में एक जून से अब तक 162.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 191.8 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 123.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 262 मिलीमीटर, सिरमौर में 218.2 मिलीमीटर, त्योंथर में 67 मिलीमीटर, सेमरिया में 175 मिलीमीटर, मनगवां में 148 मिलीमीटर तथा जवा में 118 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 77.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

सिबिल बेहतर रखें, साहूकारों से बचें, बैंकिंग का करें उपयोग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रिजर्व बैंक के निर्देशन में बजाज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम बाबूपुर, सोहावल में 'अर्थ सूत्र संवाद' वित्तीय साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तेज कुमार मिंज ने कहा कि सिबिल स्कोर बेहतर होने पर बैंक आसानी से लोन देते हैं। उन्होंने साहूकारों से बचने और बैंकिंग का उपयोग करने की सलाह दी।सीनियर पुलिस अधिकारी योगेन्द्र सिंह परिहार ने सुरक्षित ऑनलाइन बैंकिंग पर जोर देते हुए कहा कि लालच या डर में अनजान लिंक पर क्लिक न करें। सरपंच रामकेश अहिरवार ने सलाह दी कि ब्याज दर परखकर और समय पर किस्त चुकाकर सिबिल ठीक रखें। समाजसेवी अनुराग पटनाहा ने अपने खाते को स्वयं संचालित करने और आधार-पैन कार्ड की गोपनीयता बनाए रखने की बात कही।

बजाज फाइनेंस के एरिया मैनेजर अमित सैनी ने बताया कि यह अखिल भारतीय अभियान 26 जून को नर्मदापुरम से शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। बजाज फिनसर्व, 10 करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ देश के 4200 स्थानों पर सेवाएं दे रहा है। सतना, कटनी, मैहर सहित रीवा संभाग के सुदूर क्षेत्रों में यह अभियान चलेगा।

भारतीय मजदूर संघ रीवा में परिचय वर्ग का हुआ आयोजन

स्थापना दिवस की तैयारियां तेज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के रीवा कार्यालय में रविवार को परिचय वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जिसमें भगवान विश्वकर्मा, दत्तोपंत ठेंगड़ी और भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण और श्रमिक गीत के साथ शुरुआत हुई।

प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय कृषि एवं ग्रामीण मजदूर महासंघ के महामंत्री बृजेश सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्य समिति सदस्य गजराज तिवारी और राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने बीएमएस की विचारधारा, पंच परिवर्तन कार्यक्रम और रीति-नीति पर विस्तृत संबोधन दिया। सत्र की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष अभिनव सिंह चंदेल ने की, जबकि संचालन जिला मंत्री विकास शुक्ला ने किया।

वक्ताओं ने बताया कि बीएमएस 70वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और पूरे वर्ष श्रमिक संपर्क अभियान व अभ्यास वर्ग आयोजित किए गए। आगामी 23 जुलाई 2025 को दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के मुख्य संबोधन के साथ भव्य स्थापना दिवस कार्यक्रम होगा। बीएमएस के प्रमुख आयोजनों में 23 जुलाई को स्थापना दिवस, 28 अगस्त को पर्यावरण दिवस, 17 सितंबर को राष्ट्रीय श्रम दिवस (विश्वकर्मा जयंती), 14 अक्टूबर को सामाजिक समरसता दिवस, 12 दिसंबर को स्वदेशी दिवस, 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और 25 मार्च को सर्वपंथ समादर मंच का आयोजन शामिल है।

द्वितीय सत्र में बीएमएस के गीत और नारों पर चर्चा हुई। गजराज तिवारी, प्रमोद मिश्रा, बृजेश सिंह और व्याघ्र देव सिंह ने बताया कि बीएमएस का नारा "देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम" राष्ट्रीय विचारधारा को दर्शाता है, जो अन्य संगठनों के नारों से अलग है। सत्र की अध्यक्षता उपाध्यक्ष अरविंद भारती ने की और संचालन विकास शुक्ला ने किया।

चर्चा में तय हुआ कि 23 जुलाई 2025 को रीवा में स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी बाबूलाल साकेत, रामशरण साकेत, जीवनलाल साकेत, आनंद शुक्ला, राकेश शुक्ला, प्रमोद तिवारी, सुरेश त्रिपाठी, राजेश पाठक, संतोष विश्वकर्मा, श्याम लाल यादव, अनिल पांडेय, रामराज सिंह, पांचूलाल साकेत, राजभान गोस्वामी, पीके निगम, अमित त्रिपाठी, लाल बहादुर, बिजेंद्र सिंह, अंजनी माली, राजकुमार पाण्डेय, राजकुमार शुक्ला, सुभाष साहू, राघवेंद्र पयासी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की।

विचार

पुलिस स्टेशनों में सड़ते वाहनों की समस्या

भारत में अपराधों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में वाहन अक्सर महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। कार, मोटरसाइकिल, ट्रक या अन्य साधन अपराध के दृश्य का एक अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। पुलिस द्वारा इन वाहनों को जब्त कर लिया जाता है और साक्ष्य के रूप में अदालत में पेश किया जाता है। हालांकि, इन जब्त वाहनों का प्रबंधन और रखरखाव एक ऐसी समस्या बन चुका है, जो न केवल पुलिस प्रशासन के लिए सिरदर्द है, बल्कि पर्यावरण, संसाधनों और सामाजिक दृष्टिकोण से भी एक गंभीर चुनौती बन गया है। पुलिस स्टेशनों और मालखानों में ये वाहन वर्षों तक सड़ते रहते हैं, जिससे न केवल जगह की कमी होती है, बल्कि यह व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर करता है।

भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सी.आर.पी.सी.) की धारा 102 के तहत पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने का अधिकार है, जो अपराध से संबंधित हों। इन वाहनों को मालखाने या पुलिस स्टेशन के परिसर में रखा जाता है, जब तक कि मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। हालांकि, सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया अक्सर लंबी चलती है। कई मामलों में, सुनवाई में वर्षों लग जाते हैं और इस दौरान जब्त वाहन पुलिस स्टेशनों में खड़े रहते हैं। बारिश, धूप और धूल के संपर्क में रहने के कारण ये वाहन खराब हो जाते हैं और धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक इससे भारत को हर साल लगभग 20,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो जाता है

कई मामलों में, ये वाहन उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति होते हैं, जो शायद निर्दोष हों या जिनके खिलाफ कोई ठोस सबूत न मिले। उदाहरण के लिए, एक ऑटो-रिक्शा चालक या टैक्सी ड्राइवर के लिए उसका वाहन उसकी आजीविका का मुख्य साधन होता है। जब ऐसे वाहन लंबे समय तक पुलिस हिरासत में रहते हैं, तो मालिक की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। यह सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है क्योंकि अधिकांश प्रभावित लोग निम्न या मध्यम वर्ग से होते हैं। इसके अलावा, पुलिस स्टेशनों के बाहर खड़े वाहन अक्सर आस-पास के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। ये वाहन सड़कों को अवरुद्ध करते हैं, पार्किंग की समस्या पैदा करते हैं और कई बार असामाजिक तत्वों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं। ऐसा देखा गया है कि वाहनों के महत्वपूर्ण हिस्से, जैसे बैटरी, टायर या इंजन के पुर्जे गायब हो जाते हैं। यह न केवल भ्रष्टाचार को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ हो रही है, जो न्यायिक प्रक्रिया को कमजोर करता है।

इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। पहला कदम यह हो सकता है कि वाहनों की जब्ती और रिहाई की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया

अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीयों के अपहरण के आतंकी व वैश्विक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीयों के अपहरण के आतंकी मायने स्पष्ट हैं और साफ तौर पर भारत सरकार को आगाह करने वाले हैं। आखिर यह महज संयोग है या फिर कोई अभिनव प्रयोग, कि एक तरफ गत 1 जुलाई को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम अफ्रीका के देशों की यात्रा पर रवाना हुए, और दूसरी तरफ़ पश्चिमी अफ्रीका के ही पश्चिमी माली में गत 1 जुलाई को ही कई जगहों पर आतंकवादी हमले हुए। इन हमलों के बाद तीन भारतीय नागरिकों को बंधक भी बना लिया गया है। कहना न होगा कि जिस तरह से इस बारदात में शक की सुई कुयात वैश्विक आतंकवादी संगठन अलकायदा समर्थित मुखौटा संगठन नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन यानि जेएनआईएम की ओर घूम रही है, वह चिंता का विषय है।

बताया जाता है कि जेएनआईएम वर्ष 2017 में अस्तित्व में तब आया था, जब इसने पश्चिम अफ्रीका में सक्रिय चार बड़े जिहादी गुटों- अंसार दिन, अल-मुराबितून, अल-कायदा इन द इस्लामिक मघरेब यानी एक्यूआईएम की साहेल ब्रांच और मकना कतीबात मसिना ने मिलकर इस संगठन की स्थापना की। चूंकि यह भी एक कट्टर इस्लामिक संगठन है, जिसका मकसद एक कट्टर इस्लामिक शासन की नींव रखना है। इसलिए इसी पर भारतीयों के अपहरण का शक है। इस अजीबोगरीब अफ्रीकी आतंकी अपहरण की घटना के मायने स्पष्ट हैं, जो इस बात का इशारा करते हैं कि भारत विरोधी अमेरिका-चीन-पाकिस्तान-ईरान की आतंकी पकड़ कितनी ज्यादा है। कारण कि उनके इशारे के बिना भारत के प्रधानमंत्री की यात्रा के ठीक पहले ऐसी दुस्साहसिक कार्रवाई करने की जुर्रत किसी आतंकी संगठन में हो ही नहीं सकती है। इसलिए भारत सरकार को सजग हो जाना चाहिए और ऐसी वारदातों के बाद त्वरित सैन्य प्रतिक्रिया देने की गुंजाइश तलाशी जानी चाहिए। अन्यथा सम्बन्धित देश के मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्ट्री में हुआ, जहां हथियारबंद लोगों के एक समूह ने साइट में प्रवेश किया और वहां कार्यरत मजदूरों का अपहरण कर लिया। भारतीय विदेश मंत्रालय यानी एमईए के मुताबिक, पीड़ित इस फैक्ट्री के कर्मचारी थे और उन्हें जानबूझकर हिंसक घुसपैठ के दौरान निशाना बनाया गया है। एमईए ने कहा है कि यह घटना 1 जुलाई को हुई, जब हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्ट्री परिसर में एक कॉर्डिनेटेड हमला किया था और तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया। हालांकि अब तक किसी आतंकी संगठन ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हमले के दिन ही जिस प्रकार से माली के कई हिस्सों में कॉर्डिनेटेड आतंकवादी हमले हुए, उससे संदेह की सुई सीधे अल-कायदा समर्थित संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन की तरफ जाती है। ऐसा इसलिए कि जेएनआईएम ने उसी दिन कई अन्य शहरों जैसे कायेस, डिबोली और सांडरे में भी हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

समझा जाता है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के घातक प्रभावों के डर से आतंकियों ने इस घटना की सीधी जिम्मेदारी नहीं ली, क्योंकि इसमें ही भारतीयों का अपहरण किया गया था। यूँ तो भारत सरकार ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है। भारत सरकार ने माली सरकार से बंधकों की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की है। बताया गया है कि भारतीय दूतावास बमाको में स्थानीय अधिकारियों और फैक्ट्री प्रबंधन के संपर्क में है। उसके द्वारा पीड़ितों के परिवारों को लगातार जानकारी दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन यानि जेएनआईएम एक कट्टर इस्लामिक संगठन है, जिसका मकसद एक कट्टर इस्लामिक शासन की नींव रखना है। ईयाद अग घाली और अमादौ कूफा इस संगठन का नेतृत्व करते हैं। बताया गया है कि ईयाद एक टुआरेग जातीय नेता है जबकि कूफा फुलानी, स्थानीय मुस्लिम समुदाय का प्रभावशाली इस्लामी उपदेशक हैं। इस प्रकार दोनों की घातक साझेदारी से पता चलता है कि जेएनआईएम सिर्फ इस्लामिक कट्टरता ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को भी रणनीति का हिस्सा बनाता है।

उल्लेखनीय है कि जेएनआईएम ने खुद को अल-कायदा के आधिकारिक प्रतिनिधि के तौर पर स्थापित किया है। इससे साफ है कि यह भी उसी तरह का खुराफाती संगठन है। समझा जाता है कि जब से अमेरिका का पाकिस्तान प्रेम जगा है, तब से आतंकियों की चांदी हो गई है और वे अपना पुन: विस्तार कर रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों में इसके कुछ बयानों में अल-कायदा का जिक्र नहीं होने से अटकलें हैं कि संगठन अपनी वैचारिक दिशा में बदलाव पर विचार कर रहा है।

जानकारों के मुताबिक, जेएनआईएम के पास इस समय तकरीबन 5-6 हजार लड़ाके हैं। इसकी संरचना काफी विकेंद्रित है, जिसकी वजह से ये अलग-अलग स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढाल लेता है। यह संगठन अलकायदा की फ्रेंचाइज शैली में काम करता है। जिसका अभिप्राय यह हुआ कि विभिन्न इलाकों में इसके स्थानीय कमांडर स्वतंत्र रूप से फैसले लेते हैं।

गौरतलब है कि जेएनआईएम ना सिर्फ हथियारों से सुसज्जित संगठन है, बल्कि यह उन इलाकों में भी शासन करता है, जहां पर सरकार की पहुंच कमजोर है। यह इस्लाम के आधार पर अलग-अलग गांवों से समझौता करता है और इस्लामिक कानून को मानने वाले गांवों की सुरक्षा करता है। इसके बदले संगठन जकात (मजहबी टैक्स) वसूल करता है। वहां पर यह इस्लामी शरीया कानून भी लागू करता है, जिसमें महिलाओं की पढ़ाई पर सख्त प्रतिबंध है।

बताते चलें कि पिछले एक दशक में साहेल क्षेत्र, खास तौर पर माली, बुर्किना फासो और नाइजर कुख्यात आतंकवाद का केंद्र बन गया है। समझा जाता है कि यूरोपीय देश फ्रांस और संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की नकारात्मक भूमिका को लेकर यहां नाराजगी है। स्थानीय सरकारों की तानाशाह रवैये ने भी स्थिति को और ज्यादा खराब ही किया है। जेएनआईएम ने लोगों के इसी गुस्से और सरकार के नकारेपन का फायदा उठाया है और अपने प्रभाव का आशातीत विस्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि मई 2025 में इसने बुर्किना फासो के डजीबो में हमला कर लगभग 100 लोगों की हत्या कर दी थी। इतना ही नहीं, जेएनआईएम अब पश्चिमी माली से लेकर बेनिन, नाइजर और यहां तक कि नाइजीरिया की सीमा तक एक %जिहादी बेल्ट% बनाने में जुटा हुआ है। यह बेल्ट संगठन के नियंत्रण वाले इलाकों को जोड़ती है, जहां वह टैक्स वसूलने का साथ साथ शरीया कानून के तहत शासन करता है।

बताया जाता है कि अफ्रीका महादेश के विभिन्न देशों में अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान के अतिरिक्त भारत और चीन की दिलचस्पी बढ़ रही है। इसलिए पारस्परिक प्रतिस्पर्धा में एक दूसरे को मात देने व उनकी राहों में कांटे बोने के लिए ऐसे ही आतंकी समूहों को गुप्त मदद दी जाती है। इसलिए अफ्रीकी देश माली की सरकार को तीनों अपहृत भारतीयों की बरामदगी सुनिश्चित करना चाहिए। साथ ही इस अपहरण के आतंकी मायने वैश्विक नजरिए से विश्लेषित करते हुए एहतियाती उपाय भी किया जाना चाहिए। अन्यथा विकास अवरूद्ध होगा और विनाश तेज! जो किसी के हक में नहीं होगा। वहीं, भारत सरकार को चाहिए कि वह संयुक्त राष्ट्र संघ, जी- 7, ब्रिक्स, जी-20 आदि सभी मंचों पर विकसित देशों की मदद से आतंकी उत्पादक देशों की बढ़ती खुराफाती प्रवृति पर लगाम लगवाए, अन्यथा फैसला ऑन द स्पॉट कर देने की नसीहत दे, क्योंकि बिनु भय होहिं न प्रीति वाली कहावत सब जगह पर लागू होती है।

जाम के झाम से मुक्ति के हों पुख्ता इंतजाम

डॉ. आशीष वशिष्ठ

27 जून को इंदौर-देवास हाईवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गई। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वर्षीय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में फंस जाने से मौत हो गई। 7 जून दिल्ली से आए एक 62 वर्षीय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में फंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। 6 मई उप्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम फंसे रहने की वजह से उसे वक्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गई। 24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में समय सड़क निर्माण कार्य के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की जिंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगती है। ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था...कोई सोच भी नहीं सकता कि आज़ादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्क की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज़ 40 किलोमीटर है। मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। 30 जून को अदालत में जवाब देते हुए एनएचएआई के वकील ने कहा कि लोग बिना जरूरी काम के इतनी सुबह घर से बाहर निकलते ही क्यों हैं? एनएचएआई की इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। उनके इस बयान को सुनकर लोगों को ऐसा लग रहा है कि एनएचएआई घटना की जिम्मेदारी लेने से बच रहा है और घटना के लिए आम लोगों को ही दोषी बताने की कोशिश कर रहा है। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। विवाद बढ़ने पर एनएचएआई ने कहा कि,यह टिप्पणी अथॉरिटी के आधिकारिक विचारों को नहीं दर्शाती।

देश में जहां एक तरफ ट्रैफिक की समस्या से निजात पाने के लिए सड़कों, हाई-वेज और एक्सप्रेस-वेज को बनाने का काम जोरों-शोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे शहर भी हैं, जो अंदरूनी ट्रैफिक से काफी ज्यादा परेशान हैं। असल में, ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे शहर भी जूझते हैं। लेकिन बड़े शहरों में यह एक संकट का रूप लेने लगा है। एक जानकारी के मुताबिक एक घंटे जाम में एक लीटर ईंधन बर्बाद होता है। जितनी ईंधन की खपत होगी, उतना ही ज्यादा सीओटू उत्सर्जन भी होगा, जो

पर्यावरण और प्रदूषण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होता है। एक अनुमान के अनुसार, महानगरों में और हाईवे पर देश में हर साल लगने वाले ट्रैफिक जाम से हर साल तकरीबन 1.4 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है।

टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2024 के अनुसार, देश में कोलकाता का ट्रैफिक सबसे धीमा है। बेंगलुरु ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बनाई है। कमोबेश ऐसे हालात दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, गुरुग्राम, लखनऊ, जयपुर, कानपुर, अमृतसर, अहमदाबाद, वाराणसी और देश के अन्य महानगरों और शहरों के हैं।

डाक्टरों के अनुसार, जाम में फंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में फंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है। 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि यदि अब जाम में एंबुलेंस फंसी तो इसे अपराध माना जाएगा और मरीज को नुकसान पहुंचाने के तहत कार्रवाई की जाएगी। बावजूद इसके स्थिति में कोई खास फर्क दिखाई नहीं देता।

इसमें दो राय नहीं कि सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। वहीं अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है।

जानकारों के मुताबिक, जाम की समस्या को खत्म करने के लिए सबसे पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाना होगा। इसके अलावा लोगों को कार पूलिंग के लिए जागरूक करना होगा जिससे सड़क पर वाहनों की संख्या को कम किया जा सके। सड़क पर जाम का एक बड़ा कारण जगह-जगह कट का होना भी है। पैदल और छोटे वाहनों के आवागमन के लिए मुख्य सड़कों के साथ सर्विस रोड बनाए जाने से भी जाम की समस्या से निजात पाया जा सकता है। जिन स्थानों पर घनी आबादी के चलते सर्विस रोड नहीं बनाए जा सकते। वहां एलिवेटेड रोड, अंडरपास और फ्लाईओवर आदि का निर्माण किया जा सकता है।

जाम से जूझते शहरों में सड़कों की भीड़भाड़ कम करने के लिए केंद्र सरकार सरकार ने राज्यों की राजधानियों समेत दस लाख से अधिक आबादी वाले 94 शहरों में जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रिंग रोड, बाईपास समेत अन्य उपाय करने की योजना बनाई है। यूपी में लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए पुलों, रिंग रोड और बाईपास का जाल बिछाया जाएगा। इनके निर्माण पर लोक निर्माण विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 6124 करोड़ रुपए का बजट खर्च करेगा। सीएम योगी के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी की ओर से यह खाका खींचा गया है।

रायपुर में किसान-जवान-संविधान सभा कल

पायलट बोले-प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर

सचिन ने कहा-बारिश है, बादल हैं, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 7 जुलाई को कांग्रेस 'किसान-जवान-संविधान' जनसभा है। इसे लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि, बारिश है, बादल हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश है। इस कार्यक्रम से कांग्रेस की भविष्य की तैयारी पर चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि एक दिशा तय की जाएगी कि किस दिशा में कांग्रेस पार्टी को चलना है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है। प्रदेश में जनता परेशान है। हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी।

साथ ही सचिन पायलट ने रविवार को साइंस कॉलेज मैदान पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। मंच, पंडाल, सुरक्षा और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ पीसीसी चीफ दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी मौजूद थे।

प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, यह सभा सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की दिशा में एक कदम है। मल्लिकार्जुन खड़गे का एक दिवसीय दौरा है। कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।

कांग्रेस की जनसभा के बाद के बाद पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक होगी। जिस पर सचिन पायलट ने कहा कि जनसभा के बाद कांग्रेस पार्टी की बैठक होगी। दिशा निर्देश तय होंगे आगामी समय में कांग्रेस कैसे चलेगी।

पायलट ने कहा कि इस बैठक में आने वाले समय के लिए कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ रणनीति बनाएगी। छत्तीसगढ़ में पॉलिटिकल लीडरशिप को लेकर खींचतान है। बीजेपी जिन वादों के साथ सत्ता पाई थी। उन वादों पर वे खरी नहीं उतर पाई है।

7 जुलाई से शुरू हो रहे भाजपा के प्रशिक्षण के सवाल पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि हम किसी पर भी कमेंट नहीं करेंगे। बीजेपी को जो मर्जी करना है करे, लेकिन प्रदेश उनके हाथ में है, तो जवाबदेही उनकी बनती है।

पायलट ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बदहाल है, जनता परेशान है। सरकार की व्यवस्थाओं के ऊपर से लोगों का विश्वास उठ रहा है। बीजेपी जवाब नहीं देती। उनके प्रधानमंत्री विदेश घूमते हैं। राज्य में जनता परेशान है।

वहीं पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि, जो चुने हुए प्रतिनिधि मंत्री और सांसद हैं, उन्हें प्रशिक्षण की ज़रूरत पड़ रही है, तो यह सोचने वाली बात है। इससे स्पष्ट है कि संघ का हस्तक्षेप भाजपा में बढ़ गया है। यह उनके लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है।

ससुराल में महिला ने खुद को लगाई आग, पति-ससुर दोषमुक्त

हाईकोर्ट बोला- गुस्से में कहे गए शब्द, सुसाइड के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बहू के सुसाइड मामले में पति और ससुर को दोषमुक्त किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि ससुराल में बहू पर टिप्पणी करना आत्महत्या के लिए उकसाने का पर्याप्त आधार नहीं है। वहीं, लोअर कोर्ट ने दोनों को 7 साल के सश्रम कारावास और 1 हजार जुर्माने की सजा सुनाई थी।

घटना 13 साल पहले की है, जब एक महिला ने केरोसिन डालकर खुद को आग के हवाले कर दिया था। मौत से पहले अपने बयान में महिला ने कहा था कि ससुराल वालों की टिप्पणी और अपशब्द से आहत होकर उसने ये कदम उठाया है। इसके आधार पर पति और ससुर को सजा सुनाई गई थी।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि तिरस्कारपूर्ण टिप्पणियां यदि मानी भी जाएं तो वे इतनी गंभीर नहीं थीं कि मृतका के पास आत्महत्या के अलावा और कोई उपाय नहीं था। 'गुस्से में कहे गए शब्द, सुसाइड के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता'

31 दिसंबर 2013 को रायपुर स्थित अस्पताल में एक झुलसी हुई महिला को भर्ती कराया गया था। 5 जनवरी 2014 को उसकी मौत हो गई। महिला ने मौत से पहले कार्यपालक मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया था।

आरोप के मुताबिक महिला के पति और ससुर उसे अपशब्द कहकर अपमानित करते थे और चरित्र पर शंका करते थे। ससुराल वालों की तिरस्कारपूर्ण भाषा के कारण उसने खुद पर केरोसिन डालकर आग लगाई है।

मृतका के माता-पिता और भाई ने भी अपने बयानों में बताया कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

अपीलकर्ताओं की ओर से हाईकोर्ट में तर्क दिया कि घटना से ठीक पहले किसी भी प्रकार की तुरंत उकसाने वाली या उत्प्रेरक बात नहीं हुई थी, जो आत्महत्या के लिए कानूनी रूप से जरूरी मानी जाती है।

अभियोजन पक्ष आत्महत्या के लिए जरूरी दुष्प्रेरण (उकसाना) सिद्ध नहीं कर पाया। शासन की ओर से वकील ने अपील का विरोध करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं, जिससे यह साबित होता है कि आरोपियों ने मृतका को प्रताड़ित किया और उसे आत्महत्या के लिए विवश किया।

जस्टिस बिभु दत्ता गुरु ने धारा 306 आईपीसी की व्याख्या करते हुए कहा कि आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण (उकसाना) सिद्ध करने यह प्रमाणित करना होता है कि आरोपी ने उकसाया, षड्यंत्र किया, या जानबूझकर मजबूर किया।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 'शादी को 12 साल हो चुके थे, इसलिए धारा 113 ए के तहत 7 सालों के अंदर आत्महत्या पर लागू होने वाला विधिक अनुमान इस मामले में नहीं लगाया जा सकता। क्रोध या भावावेश में कहे गए शब्द, यदि उनकी मंशा ऐसी नहीं हो, तो उन्हें आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण नहीं माना जा सकता।'

पिकअप-बस ने बाइक सवारों को रौंदा, तीन लोगों की मौत

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 2 सड़क हादसों में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हैं। पहली घटना कटघोरा थाना क्षेत्र के कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर हुई, जिसमें 2 लोगों की जान चली गई, जबकि 1 युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

वहीं दूसरी घटना दीपका थाना क्षेत्र के रैनपुर की है। यहां रविवार सुबह बस और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल हो गया। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

दरअसल, पहला हादसा कटघोरा थाना क्षेत्र का है। यहां शनिवार की रात कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक 5 जुलाई की रात ढेलवाडीह के रहने वाले 3 युवक अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि सड़क पर मवेशी बैठे थे, जिसके कारण पिकअप का बैलेंस बिगड़ा। स्पीड ज्यादा होने के कारण पिकअप ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

मृतकों में अजय यादव (37 साल) और सुमित गुप्ता (26 साल) शामिल हैं। एक अन्य साथी गंभीर है, जिसे जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, अजय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। डायल 112 की टीम ने घायलों को पहले कटघोरा अस्पताल पहुंचाया। जहां सुमित की इलाज के दौरान मौत हुई। तीसरा व्यक्ति गंभीर है।

वहीं दूसरी घटना दीपका थाना क्षेत्र के रैनपुर इलाके की है। तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक बाइक सवार नरेंद्र कुमार कोराम (33) की मौके पर ही मौत हो गई। वे थाना रतनपुर के बरपाली, धवलामुड़ा का रहने वाला था। दीपका क्षेत्र में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। नरेंद्र ड्यूटी के बाद घर लौट रहा था।

उसके साथ बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

रायपुर में कर्ज देकर अधिक ब्याज में वसूलते थे पैसे

तोमर-ब्रदर्स के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी, संपत्ति की जा सकती है कुर्क

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाशी के लिए कई राज्यों में टीम भी भेजी थी। लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई। रायपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाशी के लिए कई राज्यों में टीम भी भेजी थी। लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई। रायपुर के तोमर ब्रदर्स के खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। साथ ही दोनों आरोपियों को जांच और पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश होने का भी निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों की संपत्ति भी जल्द कुर्क की जा सकती है। मिली जानकारी के मुताबिक रोहित सिंह तोमर और वीरेंद्र सिंह तोमर महीनेभर से ज्यादा समय से फरार हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाशी के लिए कई राज्यों में टीम भी भेजी थी, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

दरअसल, पुरानी बस्ती पुलिस ने 2 दिन पहले ही कारोबारी गजानंद सिंह की शिकायत पर रोहित तोमर, दिव्यांश तोमर, आकाश मिश्रा और योगेश सिन्हा के खिलाफ अवैध वसूली, धमकी और छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम के तहत परिवाद दर्ज की है। इसके पहले भी अलग-अलग लोगों की शिकायत पर 6 से ज्यादा परिवाद हो चुकी है।

हिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों के कई लोग शिकार हैं। आरोपियों और उनके गुर्गों का खौफ पीड़ितों को इस कदर था कि उनके शहर में रहते हुए शिकायत देने नहीं पहुंच रहे थे। पुलिस ने वीरेंद्र और रोहित पर जब से कार्रवाई शुरू की है, तब से पीड़ितों के मन में डर खत्म हो गया है।

इसके पहले पुरानी बस्ती थाना में नारायणपुर जिले के पीड़ित ने आरोपी रोहित तोमर के खिलाफ एक पीड़ित ने शिकायत की थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि, उसने 10 लाख रुपए कर्ज लिया था और ब्याज सहित 1 करोड़ 10 लाख रुपए दिए।

हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं के खिलाफ जांच कर रहे पुरानी बस्ती सीएसपी राजेश देवांगन ने बताया कि, आरोपियों के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद अब तक 6 केस दर्ज किया गया है। आरोपी वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर फरार है, उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने कोर्ट से आरोपियों की जमानत रद्द करने के लिए भी अपील की है।

बता दें कि, एक साल पहले रायपुर के हाइपर क्लब गोलीकांड के बाद पुलिस ने आरोपियों का सिर आधा मुंडवा कर जुलूस निकाला था। इस घटना में रोहित तोमर, विकास अग्रवाल, सारंग मांधान और अमित तनेजा गिरफ्तार हुए थे। जुलूस निकालने के दौरान उनके कपड़े भी फटे हुए थे।

सूदखोर रोहित तोमर निगरानी गुंडा बदमाश है। आरोपी के खिलाफ राजेंद्र नगर, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती, कोतवाली और गुढियारी में 9 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। आरोपी सूदखोरी, मारपीट, ब्लैकमेल के मामले में जेल भी जा चुका है। सूदखोर रोहित गोल्डन मैन के नाम से जिले में मशहूर है। रसूखदारी बनी रहे, इसलिए आरोपी अपने गिरोह के साथ समय-समय पर कार्यक्रमों में भी दिखता है।

संजू त्रिपाठी हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार

3 साल से फरार विनय द्विवेदी को वाराणसी में पकड़ा, एक लाख में की थी हत्या

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश एसटीएफ की मदद से संजू त्रिपाठी हत्याकांड के मुख्य शूटर विनय कुमार द्विवेदी को वाराणसी से गिरफ्तार किया है। विनय को शुक्रवार की रात फतेहपुर मोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा गया।पुलिस के मुताबिक, विनय उर्फ बासू उर्फ गुरुजी चित्रकूट जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र के चमरौहा गांव का रहने वाला है। उसने पूछताछ में बताया कि एक लाख रुपए में संजू त्रिपाठी की हत्या की थी। इस मामले में अब तक 21 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। विनय के पास से 315 बोर का देसी तमंचा, दो जिंदा कारतूस और 200 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस को शक है कि वह वाराणसी में किसी वारदात को अंजाम देने आया था। विनय ने बताया कि वह प्रतापगढ़ के एक लाख के इनामी अपराधी एजाज के बुलावे पर वाराणसी आया था।

विनय के खिलाफ बिलासपुर के सकरी के अलावा बिहार, नोएडा और वाराणसी में हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस को उम्मीद है कि विनय की गिरफ्तारी से मामले की जांच को नई दिशा मिलेगी।

शूटर विनय उर्फ गुरुजी को पकड़ने के लिए बिलासपुर पुलिस नेटवर्क तैयार कर चुकी थी। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पुलिस और एसटीएफ की फील्ड यूनिट की मदद से बिलासपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में उसे कपसेठी से बड़ागांव की ओर पैदल जाते हुए देखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वो भागने लगा तब घेरेबंदी कर उसे पकड़ा गया।

संजू त्रिपाठी की हत्या दिसंबर 2022 में सकरी बायपास के पास गोली मारकर की गई थी। इस हत्याकांड की प्रारंभिक जांच में संजू के परिवार के ही कुछ सदस्यों का लिप्त होना पाया गया। इनमें प्रमुख रूप से मृतक का भाई कपिल त्रिपाठी, पिता जयनारायण त्रिपाठी, पत्नी सुचित्रा त्रिपाठी, मुंह बोली बहन कल्याणी, जीजा भरत तिवारी शामिल हैं।

पुलिस ने वारदात के बाद सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कपिल त्रिपाठी और उसके साथी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं अरसे से फरार चल रहे शूटर दानिश अंसारी, पप्पू दाढ़ी और प्रसून गुप्ता को भी पकड़ा जा चुका है। जबकि एजाज उर्फ सोनू अब भी फरार है।

संजू त्रिपाठी हत्याकांड में अब तक 21 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों में आशीष तिवारी, रवि तिवारी, प्रेम श्रीवास, सुमित निर्मलकर, अमन गुप्ता, राजेंद्र सिंह ठाकुर, केदार सिंह, सावन पाठक, अभिषेक मिश्रा, ताबिज अंसारी और अन्य शामिल हैं। हत्याकांड के सह-आरोपी रवि सिंह को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। कोर्ट को रवि ने बताया कि उसे हत्या की कोई जानकारी नहीं थी। वह केवल रायपुर जाने के लिए साथ में निकला था। वाराणसी के बड़ागांव थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह और एसटीएफ के एसआई शहजाद खान को मुखबिर से विनय उर्फ गुरूजी के बारे में सूचना मिली थी। कपसेठी से पैदल आ रहे विनय को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने एजाज उर्फ सोनू से मिलने वाराणसी आने की बात कबूल की। वह नेपाल भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

संजू त्रिपाठी की हत्या जमीन और पैसों के विवाद के चलते कराई गई थी। आरोप है कि संजू के भाई कपिल त्रिपाठी, पिता जयनारायण और अन्य परिजनों ने मिलकर हत्या की साजिश रची थी। कपिल ने बाहर से शूटर बुलाए थे।

शाला प्रवेश कार्यक्रम में बच्चों संग बैठकर स्वास्थ्य मंत्री ने लिया न्योता भोज का आनंद

जिस स्कूल में पढ़े उसी स्कूल में बने मुख्य अतिथि, मंत्री ने बच्चों को खुद से बड़ा करने की दी प्रेरणा

शाला प्रवेश कार्यक्रम में 15 बच्चों का हुआ स्वामी आत्मानंद विद्यालय खड़गवां में शाला प्रवेश, तिलक, मिठाई और किताबों के साथ कराया गया प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी/खड़गवा (निप्र)। मैं चाहता हु कि खड़गवां क्षेत्र का हर बच्चा पढ़ लिखकर मुझसे आगे बढे, लेकिन मैं यहां उपस्थित लोगों से कहना चाहता हूं कि बच्चे अभी कोमल मिट्टी के है, हम जिस रूप में उनको गढ़ेंगे उस रूप में बनेंगे। हम सभी लोगों का सामूहिक कर्तव्य है कि शिक्षा को किस प्रकार से बच्चों के आने वाले जीवन में एक सर्वांगीण शिक्षा हो, जिसे हम संस्कारिक, नैतिक और जीवन का उपार्जन करने वाला हो, इस तरह की शिक्षा हमे देना है। उक्त बाते स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़गवां के स्वामी आत्मानंद विद्यालय में नए सत्र की शुरुआत शाला प्रवेश कार्यक्रम के तहत कही, उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कई चीजें सिलेबस में ना हो फिर भी शिक्षकों को इन सब का ज्ञान बच्चों को देना चाहिए, इसके लिए हो सके तो अलग से एक पीरियड संरक्षित करके नैतिक शिक्षा और भारत की पुरानी विरासत तथा पुरानी संस्कृति, आध्यात्म, विज्ञान का ज्ञान प्रदान करना है ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। श्री जायसवाल ने एकलव्य का जिक्र करते हुए गुरु और शिष्य की पुरानी परंपरा से भी बच्चों को अवगत कराया, इस दौरान भगवान राम के गुरु और भगवान कृष्ण के गुरु का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक कविता है जो फिलहाल मेरे ध्यान में नहीं लेकिन ये सच है कि गुरु के बिना ज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने वर्तमान हालात में सरकारी संस्थाओं पर से उठे आम लोगों के विश्वास को पुनः विश्वास करने की दिशा में लगातार प्रयास करने की बात कही। सरकारी संस्थाओं के संदर्भ में बोलते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि 100 लोगों के बीच यदि सर्वे कराया जाए कि आप सरकारी या प्राइवेट में पढ़ाने की बात हो या इलाज फ्री में कराने की बात हो, तो आप पाएंगे कि लगभग लोग प्राइवेट में जाना चाहेगे और मैं इसी सरकारी और गैर सरकारी के बीच बनी खाई को दूर करने का प्रयास स्वास्थ्य मंत्री बनने के साथ से करता आ रहा हूं।

ज्ञात हो कि प्रदेश में चल रहे शाला प्रवेश की कड़ी में आज खड़गवां के स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ 15 बच्चों को तिलक, मिठाई और किताब देकर शाला प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के मेरिट बच्चों को मैडल देकर मुख्य अतिथि के हाथों सम्मानित भी कराया गया । कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित और बच्चों के स्वागत गीत प्रस्तुति के साथ हुआ। इस दौरान मंचासीन अतिथियों ने अपने अपने उद्बोधन के माध्यम से उपस्थित विद्यालय के बच्चों को अपना आशीर्वचन प्रदान किया। आपको बताते चले कि खेलकूद के मेरिट लिस्ट की राष्ट्रीय सूची में कुमारी मानमति, ज्योति, राकेश और अनिल शामिल रहे वही 10 वी में हिंदी माध्यम से सूरज और बंशीलाल 93.5% प्रतिशत तथा 12 वीं से आशीष सोनवानी 88% और 10 वी अंग्रेजी माध्यम से सुनीता खलखो 90%व 12 वीं में प्रिया साहू 85% को मैंडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में आयोजनकर्ताओं की ओर से मुख्य अतिथि सहित मंच पर आसीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया साथ कैंपस के भीतर वृक्षारोपण और न्योता भोज का आयोजन संपन्न कराया गया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री बच्चों के साथ बैठकर न्योता भोज का आनंद उठाए और बच्चों के साथ अपने अनुभवों को साझा किये। इस खास शाला प्रवेश कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत खड़गवा अध्यक्ष श्रीमति श्याम बाई मरकाम, शिक्षा समिति के अध्यक्ष धनंजय पांडे, जनपद पंचायत खड़गवां उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह करीयाम, खड़गवां पंचायत सरपंच सुखित लाल अगरिया, मंडल अध्यक्ष भाजपा धरमपॉल सिंह, मंडल महामंत्री रमेश जायसवाल, एसडीएम खड़गवां, ब्लाक शिक्षा अधिकारी, सहित स्वामी आत्मानंद विद्यालय व हिंदी मीडियम कक्षाओं के स्टॉप सहित भारी संख्या में स्कूली छात्र छात्राएं, नन्हे मुन्ने बच्चे और पालक उपस्थित रहे।

युवा ब्रिगेड ने अंग्रेजों को पटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों से हरा दिया और सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। भारत के लिए मैच में गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। शुभमन गिल ने जहां दोनों पारियों में शतक लगाए। वहीं मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने 5-5 विकेट हॉल हासिल किए। बर्मिंघम के मैदान पर पहली बार भारतीय टीम ने टेस्ट मैच जीता है। इससे पहले भारत ने यहां पर 8 टेस्ट मुकाबले खेले थे, जिसमें से 7 में हारे थे। अब गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने असंभव को संभव करके दिखाया है। वह पहले ऐसे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत को बर्मिंघम में पहली टेस्ट जीत दिलाई है।इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाजी की और

उन्होंने 6 विकेट हासिल किए। यह टेस्ट करियर में उनका पहला पांच विकेट हॉल है। उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने का मौका नहीं दिया। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ ने सबसे ज्यादा 88 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स के बल्ले से 33 रन निकले, लेकिन वह अपनी पारी को लंबा नहीं खींच पाए। बेन डकेट ने 25 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 271 रन ही बना पाई। भारतीय टीम के लिए दूसरी पारी में आकाश दीप के अलावा मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के खाते में एक-एक विकेट गया।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 587 रन बनाए थे। तब टीम के लिए शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और रवींद्र जडेजा ने शानदार पारियां खेलीं। इन प्लेयर्स की वजह से ही भारत हिमालय जितना बड़ा स्कोर बना पाया। गिल ने अच्छी बल्लेबाजी का नमूना पेश करते हुए 269 रन बनाए, जिसमें 30 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनके अलावा जायसवाल ने 87 रन और जडेजा ने 89 रन बनाए। अंत में वॉशिंगटन सुंदर ने भी 42 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए शोएब बशीर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाए थे।

इसके बाद पहली पारी में इंग्लैंड की शुरुआत बहुत ही खराब रही, जब बेन डकेट और ओली पोप अपना खाता तक नहीं खोल पाए। इसके बाद जो रूट (22 रन) और जैक क्राली (19 रन) भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिके। एक समय इंग्लैंड की टीम 84 रनों पर ही पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन इसके बाद हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने शतक लगाए। इन दोनों प्लेयर्स ने छठे विकेट के लिए 303 रनों की साझेदारी करके इंग्लैंड को संकट से निकाल लिया। लेकिन फिर मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने भारत की मैच में वापसी करवाई। सिराज ने 6 विकेट हासिल किए। वहीं आकाश दीप के खाते में चार विकेट गए। ब्रूक और जेमी के आउट होते ही इंग्लैंड की पूरी टीम 407 रनों पर सिमट गई। इस तरह से भारत को पहली पारी के आधार पर 180 रनों की बढ़त मिल गई।

बढ़त मिलने के बाद भारतीय टीम का हौसला बढ़ गया। इसके बाद दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी की और 427 रनों पर पारी घोषित कर दी और इंग्लैंड को जीतने के लिए 608 रनों का टारगेट दिया। इस पारी में भारत के लिए शुभमन गिल फिर से सबसे बड़े हीरो साबित हुए। उन्होंने 161 रन बनाए। उनके अलावा केएल राहुल ने 55 रन, ऋषभ पंत ने 65 रन और रवींद्र जडेजा ने 69 रनों का योगदान दिया। इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने बहुत ही आसानी से रन बनाए।

आरक्षण पर सीएस से जवाब मांगा

दिल्ली/भोपाल। एमपी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव से एफिडेफिट मांगा है कि जो 13व पद होल्ड हैं, उन पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है। सरकार ने साल 2019 में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक्ट पास किया गया था, लेकिन अमल में नहीं आ पाया। कोर्ट नंबर 12 में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच में सुनवाई की। यह केस सीरियल नंबर-35 पर लगा था। याचिकाकर्ता ओबीसी महासभा की ओर से एक बार फिर से मप्र की 51 प्रतिशत ओबीसी होने की दलील दी गई। मामले में मप्र हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पहुंची हैं, उन्हीं पर आगे सुनवाई होगी। तत्काल आरक्षण देने संबंधी इस याचिका में अभी कोई राहत नहीं मिली है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील

ने कहा कि एक्ट पास होने के बाद भी उम्मीदवारों को पांच साल से 27 फीसदी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। सरकार 19 मार्च 2019 के हाईकोर्ट के एक पुराने अंतरिम आदेश का हवाला देकर आरक्षण से बच रही है। जबकि एक्ट पर कोई रोक नहीं है। इसे लागू किया जाए। 25 जून को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने वकील से ही पूछा था कि इंदिरा साहनी केस क्या है? इसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी तय की हुई है। इस पर वकील ने कहा था कि मप्र में ओबीसी की आबादी 51 फीसदी है, लेकिन नौकरियों में केवल 13.66 फीसदी आरक्षण है। इसलिए सरकार ने 27 फीसदी का एक्ट पास किया और इस पर कोई स्टे नहीं है। केवल विधिक सलाह के बाद एक नोटिफिकेशन से इस आरक्षण को देने से रोक दिया गया।

पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में भोपाल एयरपोर्ट नंबर-1

भोपाल । राजा भोज एयरपोर्ट जनवरी से जून 2025 के बीच हुए पहले राउंड के पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में पहले नंबर पर आया है। इसके पहले हुए जुलाई से दिसंबर 2024 के दूसरे राउंड के सर्वे में राजा भोज एयरपोर्ट को 15वां स्थान मिला था। छह महीने में राजा भोज एयरपोर्ट 14 स्थान ऊपर जाकर उदयपुर और खजुराहो के साथ सर्वे में 5 में से 5 नंबर प्राप्त कर पहले नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, गया एयरपोर्ट को पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में दूसरा स्थान मिला है। जबकि जम्मू के साथ विजयवाड़ा का एयरपोर्ट इस सर्वे में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। देश के 60 एयरपोर्ट पर हुए जनवरी से जून 2025 के बीच के पहले राउंड के सर्वे में यह रिजल्ट सामने आए हैं।

राजा भोज एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि यात्रियों ने हमारी सेवाओं को सराहा है। इसलिए हम एक बार फिर वर्ष 2023 के बाद पहले नंबर पर आ गए हैं। राजा भोज एयरपोर्ट को जमीनी परिवहन, पार्किंग की सुविधा, बैगेज कार्ट, चेकिंग स्टाफ की दक्षता सहित 33 पॉइंट पर हुए सर्वे में यात्रियों ने पिछली बार के मुकाबले ज्यादा अंक प्रदान किए।

राजा भोज एयरपोर्ट से जून 2025 में कुल 1,36,675 यात्रियों ने सफर किया। मई के आंकड़ों पर नजर डालें तो मई 2025 में भोपाल एयरपोर्ट से 1,40,621 यात्रियों ने सफर किया। इस तरह करीब 4,000 यात्रियों की कमी मई के मुकाबले जून के महीने में हुई। पिछले साल जून 2024 में यह संख्या 1,33,922 थी। इस साल जून में यात्रियों की संख्या में पिछले साल के जून के महीने के मुकाबले 2,753 की बढ़ोतरी हुई।

आपत्तिजनक पोस्ट पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

भोपाल । पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार

के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा।

कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र, जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटोयुक्त, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा।

12 पटवारियों के अटैचमेंट खत्म

भोपाल । भोपाल की 5 तहसीलों में पदस्थ 12 पटवारियों के अटैचमेंट कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने खत्म कर दिए हैं। इन्हें उनकी पूर्व पदस्थापना वाली तहसीलों में ही वापस भेजा गया है। इधर, एक अनोखा मामला भी सामने आया है। जिस पटवारी का 16 दिन पहले तबादला किया गया था, उसे ही दूसरी तहसील में अटैच कर दिया गया। बता दें कि 17 जून को 14 पटवारियों को इधर से उधर किया गया था। इनमें हुजूर में पदस्थ देवेंद्र पटेल को बैरसिया तहसील में भेजा गया था। अब अपर कलेक्टर दक्षिण ने पटेल को नजूल वृत्त टीटी नगर में कार्य संपादित करने के लिए अटैच किया है। एक अन्य पटवारी राजेंद्र पटेल को टीटी नगर से हुजूर तहसील में अटैच किया है। कलेक्टर सिंह ने 12 पटवारियों के अटैचमेंट खत्म किए हैं। इनमें शैलेंद्र सिंह को नजूल शहर से बैरसिया, दीपांशु पटेल को टीटी नगर से बैरसिया, तुषार पाटिल को टीटी नगर से बैरसिया, संजय सिंह को हुजूर से बैरसिया, विनोद कुमार द्विवेदी को हुजूर से बैरसिया, योगेश बबेले को एमपी नगर से बैरसिया, जावेद खान को हुजूर से बैरसिया, किशन कुमार सिंह को एमपी नगर से बैरसिया, शैलेंद्र जैन को बैरसिया से हुजूर, विनिता पटेल को कोलार से बैरसिया, सारिका शर्मा को कोलार से बैरसिया और मनीष पटेल को कोलार से बैरसिया भेजा गया है। भोपाल की एक ही तहसील में 3 साल से जमे करीब 50 पटवारियों को जून महीने में हटा दिया गया था। इनमें 4 राजस्व निरीक्षक भी शामिल हैं। इन्हें एक तहसील या हल्के से दूसरी तहसील में भेजा गया। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने करीब 8 महीने पहले प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप के सामने यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, सांसद शर्मा ने जितने पटवारियों की लिस्ट कलेक्टर को सौंपी थी, उसमें से आधे भी नहीं हटाए गए।

देश के इस राज्य में अगले 4 दिनों तक होगी जमकर बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अधिकतर राज्यों में बारिश का दौर चल रहा है। बारिश के चलते ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ड्डस्ठ्ठ) ने रविवार को उत्तराखंड में अगले चार दिनों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, टिहरी, बागेश्वर, देहरादून और रुद्रप्रयाग सहित कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

इससे पहले आज, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री मार्ग के साथ आपदा प्रभावित सिलाई बैंड और ओजरी बैंड खंडों का हवाई सर्वेक्षण किया। जहां हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के

कई हिस्से बह गए, जिससे तीर्थ स्थल से संपर्क बाधित हो गया। सर्वेक्षण के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी उनके साथ थे।

इस हफ्ते की शुरुआत में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड और ओजरी के बीच दो बिंदुओं पर बाधित हो गया था, जिससे स्थानीय यात्रा और तीर्थयात्री यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ था। उत्तरकाशी पुलिस के अनुसार, %यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड और ओजरी के बीच दो स्थान पूरी तरह बंद हैं। क्योंकि राजमार्ग का कुछ हिस्सा बह गया है। मार्ग को बहाल करने में समय लग सकता है।% सड़क को बहाल करने के प्रयास युद्ध स्तर पर चल रहे हैं।

आयुर्विज्ञान विवि ने जारी की अधिसूचना, इसी परीक्षा से लागू

भोपाल । मेडिकल और डेंटल की परीक्षा मातृभाषा (हिंदी) में देने वाले छात्र-छात्राओं को अब परीक्षा फीस में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा यदि वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट की परीक्षा में मैरिट में आते हैं तो उसमें भी नगद पुरस्कार मिलेगा। मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ने इसकी अधिसूचना गुरुवार को जारी कर दी। अभी औसत परीक्षा फीस ग्रेजुएट की 6000 और पोस्ट ग्रेजुएट की 15000 रुपए है। यह आधी होगी, जिसका फायदा 25 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को होने वाला है। देश में इस तरह ईनाम देने और परीक्षा शुल्क आधा करने वाला मप्र पहला राज्य होगा और विवि भी पहला कहलाएगा। हाल ही में 11 सांसदों की राजभाषा समिति मप्र आई थी, उसने भी विवि की मातृभाषा को लेकर की गई पहल को नोटिस किया। साथ ही कहा कि यह कदम मॉडल बनेगा। विवि के कुलगुरु अशोक खंडेलवाल इस समय सभी संबद्ध कॉलेज में जाकर मातृभाषा के उपयोग की ट्रेनिंग दे रहे हैं। मिशन मातृभाषा के मद्देनजर टीचरों की ट्रेनिंग, पोस्टर के साथ छात्रों की लिस्ट ली जा रही है, जो स्वेच्छा से मातृभाषा में परीक्षा देने वाले हैं। बताया गया है कि विवि की कार्य परिषद की 29 अप्रैल 2025 को हुई बैठक में मातृभाषा को बढ़ावा देने के इस संबंध में निर्णय लिया गया था, जिसकी प्रक्रिया के तहत अब परीक्षा शुल्क आधा करने और ईनाम देने का निर्णय लिया गया है। पहली बार ऐसा होगा, जब छात्र-छात्राओं को परीक्षा फार्म में ही यह ऑप्शन भरना होगा कि वे मातृभाषा (हिंदी) में परीक्षा देंगे।

बड़े तालाब में फिर होगा सर्वे

भोपाल । भोपाल के बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण का नए सिरे से एक बार फिर सर्वे होगा। नगरीय आवास एवं विकास विभाग की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह निर्देश दिए।

बैठक में बड़े तालाब का मुद्दा आते ही मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाब के आसपास अतिक्रमण का नए सिरे से सर्वे जरूरी है। यह सर्वे कौन करेगा और कैसे होगा यह अभी तय होना है। लेकिन हकीकत यह है कि पिछले 10 साल में कम से कम तीन बार तालाब का सर्वे होने के बाद भी अतिक्रमण कम नहीं हुए हैं?। केवल भदभदा क्षेत्र की 200 से ज्यादा झुग्गियां हटाने के अलावा और कोई उल्लेखनीय अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका है। विभाग की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहर में यदि झुग्गी बस्ती बढ़ने से रोकना है तो योजनाएं ऐसी बनाएं कि लोगों को आर्थिक और सामाजिक स्थिति के हिसाब से आवास भी मिल

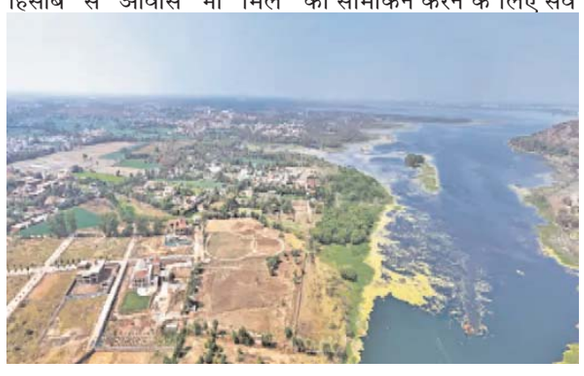

सके। उन्होंने शहरी क्षेत्र में झुग्गी बस्तियों को नियंत्रित करने के लिए उचित योजना बनाने के निर्देश दिए। बता दें कि केवल भोपाल में ही करीब 1800 एकड़ में अवैध झुग्गी बस्तियां फैल गई हैं। इनमें से प्राइम लोकेशन पर 300 एकड़ में और शेष शहर के दूसरे इलाकों में बसी हुई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस साल की शुरुआत में देश के सभी वेटलैंड का सीमांकन करने के लिए सर्वे करने के निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट के दबाव के चलते जिला प्रशासन ने मप्र झील संरक्षण प्राधिकरण के साथ मिलकर सर्वे किया। लेकिन इसकी रिपोर्ट का कोई अता-पता नहीं है। सरकार के किसी भी दस्तावेज में अब तक यह जिक्र नहीं आया है कि इस सर्वे का क्या हुआ?

घर में फिसलकर टूट रहीं हड्डियां

भोपाल । बरसात में घर के अंदर फिसलने से हड्डी टूटने के मामले तेजी से बढ़े हैं। हमीदिया, जेपी और निजी अस्पतालों की ऑर्थोपेडिक ओपीडी में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। पहले जहां रोज 150 से 200 मरीज आते थे, अब यह संख्या 300 से ज्यादा हो गई है। सबसे ज्यादा केस बुजुर्गों और महिलाओं के हैं। बिट्टन मार्केट की 60 वर्षीय रीता शर्मा बालकनी में खड़ी थीं। फर्श गीला था। संतुलन बिगड़ा और गिर पड़ीं। हिप फ्रैक्चर हुआ। अब बिस्तर पर हैं। शाहजहांनाबाद के नासिर खान वॉशरूम में फिसले। कंधे की हड्डी टूट गई। दोनों को सर्जरी करानी पड़ी। हमीदिया अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. आशीष गोहिया ने बताया, 70व केस घर के अंदर गिरने के हैं। बुजुर्गों में हिप फ्रैक्चर आम है। महिलाएं रसोई और बालकनी में ज्यादा फिसल रही हैं। दोपहर 12 से शाम 5 बजे के बीच सबसे ज्यादा हादसे हो रहे हैं। इस समय नमी बनी रहती है। जेपी अस्पताल के डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने बताया, एक्सीडेंट और घर में फिसलने के केस दोनों बढ़े हैं। सावधानी जरूरी है। बारिश में टाइल्स, मार्बल और सीढ़ियों की चिकनाई में नमी घुल जाती है। इससे

फिसलन बढ़ जाती है। बारिश में सड़क पर भी फिसलन बढ़ जाती है। पानी भरने से सड़क की सतह चिकनी हो जाती है। टायर घर्षण नहीं बना पाते। इससे गाड़ी फिसलने का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में सीढ़ियों या कीचड़ में फिसलने से भी हादसे हो रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर ही रखें। घर के अंदर फिसलन की वजहें हैं-गीला फर्श, स्लिपर का फिसलना, कीचड़-काई और टाइल्स पर तेज चलना। बचाव के लिए वॉशरूम और बालकनी में एंटी-स्किड मैट बिछाएं।

टाइल्स सूखी रखें।

बुजुर्गों को ग्रिप स्लीपर पहनाएं। सीढ़ियों में हैंडरेल लगवाएं।

बुजुर्गों के लिए घर का माहौल सुरक्षित बनाएं। फर्नीचर ऐसी जगह न रखें, जहां टकराने का खतरा हो। जरूरी सामान पास में रखें। बेड के पास लाइट का स्विच लगवाएं। स्लिप प्रूफ मैट का इस्तेमाल करें। बेड बहुत ऊंचा न हो।

वाइल्ड-लाइफ बोर्ड की अगली बैठक में लग सकती है मुहर

भोपाल। इंदौर और खरगोन जिले के बड़वाह वनमंडल के बीच प्रस्तावित देवी अहिल्याबाई वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के गठन का रास्ता साफ हो गया है। इंदौर और खरगोन जिले के सांसद और सभी विधायकों ने इस सेंचुरी के गठन को लेकर वन विभाग को अपनी सहमति दे दी है। सहमति देने वालों में सांसद शंकर लालवानी, गजेंद्र पटेल, केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मनोज पटेल, रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, तुलसी सिलावट, सचिन बिड़ला, राजकुमार मेव, बालकृष्ण पाटीदार शामिल हैं। वन विभाग अब इस प्रस्ताव को अगस्त में सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की 30वीं बैठक में रखेगा।

रात में काम कर सकेंगी महिलाएं

भोपाल । मध्यप्रदेश में शॉपिंग मॉल, बाजार और कारखानों, प्रोडक्शन यूनिट्स में अब महिलाएं भी दिन-रात काम कर सकेंगी। राज्य सरकार ने शर्तों के साथ महिलाओं के रात में काम करने की सहमति दे दी है। इसके लिए महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित प्रोटोकॉल का पालन नियोक्ता (एम्प्लॉयर) एजेंसी को करना होगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से महिला कर्मचारियों को आर्थिक प्रगति मिलेगी। वहीं कारोबारियों और उद्योगपतियों को अपने यूनिट्स का कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिसका असर प्रदेश के विकास को बढ़ावा देने वाला होगा। दुकान और स्थापना अधिनियम, 1958 में किए गए संशोधन के आधार पर श्रम विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक महिलाएं

काम कर सकेंगी। जहां महिलाएं रात में काम करेंगी, उस शॉप या शोरूम में कम से कम 10 या अधिक महिलाएं नियुक्त होनी चाहिए। कारखानों के मामले में भी इसी तरह की व्यवस्था रहेगी। कारखाना अधिनियम की शक्तियों का उपयोग करते हुए 26 जून 2016 के नियमों को समाप्त कर यह तय किया है कि महिलाएं चाहें तो रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी कारखाने या प्रोडक्शन यूनिट में काम कर सकती हैं। कारखानों और प्रोडक्शन यूनिट्स में महिलाओं के रात्रि शिफ्ट में काम करने के दौरान सुपरवाइजर, शिफ्ट इन-चार्ज, फोरमैन या अन्य सुपरवाइजर कर्मचारियों में कम से कम एक तिहाई महिला कर्मचारी होना चाहिए। फेडरेशन चेंबर ऑफ कॉमर्स भोपाल के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने सरकार के फैसले को लेकर कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सबसे जरूरी है। अगर वे रात में ड्यूटी करेंगी, तो उनके अनुसार पूरी व्यवस्था होना चाहिए।

यदि रात में उन्हें छोड़ा जाना है, तो उन्हें घर तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। इससे कारखानों, प्रोडक्शन यूनिट्स और दुकानों के संचालकों को तो लाभ होगा ही, साथ ही महिलाओं और उनके परिवारों को भी आर्थिक व सामाजिक संबल मिलेगा।

टेस्ट और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की खास सूची में शुभमन का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जमाकर कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए और वह एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज़ बन गए। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल की इस ऐतिहासिक पारी ने उन्हें क्रिकेट के उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर दिया है जिन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूपों में दोहरा शतक जड़ा है। इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय हैं। शुभमन गिल ने जनवरी 2023 में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 208 रन बनाए थे और वह यह कारनामा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे। अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 269 रन बनाकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह हर फॉर्मेट में लंबी पारियां खेलने में सक्षम हैं। इस सूची में भारत के स्टार ओपनर रोहित शर्मा का भी नाम है, जो वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाकर वनडे का सर्वोच्च स्कोर बनाया था।

उंची-उंची चोटियां फतह करने वाली अनुजा अब जलक्रीड़ा में बना रहीं पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)।। दुनिया की सात सबसे ऊंची चोटियां फतह करने वाली 27 साल की अनुजा वैद्य ने अब जलक्रीड़ा (वॉटर स्कीइंग) की दुनिया में पहचान बना ली है। वह पहली भारतीय महिला है, जिन्होंने इंटरनैशनल वॉटर स्कीइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। अनुजा 2019 में अपनी बड़ी बहन अदिति के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। वह हाल ही में थाईलैंड में 24 से 29 जून तक आयोजित एशियाई वॉटर स्की और वेकबोर्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। भारत के वेकबोर्ड और वॉटर स्की फेडरेशन के सेक्रेटरी राजपाल सिंह ने बताया कि वह पहली महिला है, जिन्होंने इंटरनैशनल स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

अपने आसपास की नदियों में सीमित सामानों के साथ अभ्यास कर रही अनुजा को प्रतियोगिता में पता चला कि वे पहली भारतीय महिला है, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर इंटरनैशनल स्तर पर वाटर स्कीइंग में भाग लिया। यह जानकारी उन्हें इंटरनैशनल वाटर स्की और वेकबोर्ड फेडरेशन के अधिकारियों ने दी। अनुजा के लिए यह एक कभी न भूलने वाला पल था।

खुद को मैच के लिए तैयार करने और उस माहौल के अनुसार अपने आप को ढ़ालने के लिए अनुजा पहले ही थाईलैंड पहुंच गई थी, जहां उन्होंने पेशेवर उपकरणों के साथ ट्रेनिंग लिया। अनुजा ने कहा, सूरत में हम अलग-अलग उपकरणों से अभ्यास करते थे। उनके पिता आनंद ने बेटी की मेहनत पर गर्व जताया।

क्या आईओसी के दबाव में पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत देगा वीजा ?

नई दिल्ली । बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम को भारत आने देने के मुद्दे पर सरकार के सामने कठिन स्थिति बन गई है। कई वर्तमान और पूर्व खेल प्रशासक सरकार से अपील कर रहे हैं कि वह पाकिस्तान को वीजा देने से इनकार करे, लेकिन सरकार ऐसा कदम उठाने से झिझक रही है। इसकी वजह ओलंपिक चार्टर का नियम है, जिसमें राजनीतिक कारणों से किसी देश को टूर्नामेंट से बाहर करने को प्रतिबंधित किया गया है। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का इच्छुक है और अगर इस बार पाकिस्तान को वीजा देने से इनकार किया तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सामने नकारात्मक संदेश जाएगा और भारत की दावेदारी कमजोर पड़ सकती है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान को वीजा न देने पर यह ओलंपिक चार्टर के उल्लंघन के रूप में देखा जाएगा। चार्टर यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी योग्य एथलीट राष्ट्रीयता या राजनीतिक मतभेद के आधार पर भेदभाव का सामना न करे और उसे खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का अधिकार मिले।

गिल, जायसवाल और पंत पर होगा अब दारोमदार-माइकल वॉन

लंदन (एजेंसी)। कोहली, रोहित के बाद भारतीय टेस्ट टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को उठानी पड़ेगी। यह मानना है इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर वॉन ने कहा कि कोहली ने अपने समय में अकेले यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। अब यह युवा खिलाड़ियों के पास बड़ा मौका है कि वे उस विरासत को आगे बढ़ाएं। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज़ में देखा जाए तो कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय बल्लेबाजी क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके मुताबिक गिल, जायसवाल और पंत ने मिलकर एक अच्छा समूह बनाया है जो जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार दिखता है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के पास भारतीय टेस्ट क्रिकेट को वही ऊर्जा और जुनून देने का मौका है जो कोहली ने दिया था। वॉन ने कहा कि कोहली ने टीम में न सिर्फ बल्लेबाजी बल्कि आक्रामक सोच और रणनीतिक समझ भी दी, जो भारतीय टीम को लंबे समय तक शीर्ष पर बनाए रखने में मददगार रही।

उन्होंने कहा कि अगर गिल, जायसवाल और पंत इस मानक के करीब भी पहुंच सके तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। वॉन ने माना कि भारत जैसी प्रतिभा-समृद्ध टीम के पास हमेशा विकल्प रहते हैं लेकिन कोहली जैसा करिश्माई और प्रेरक खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि दो बड़े खिलाड़ियों के अचानक टीम से बाहर होने के बाद तुरंत आगे बढ़ पाना आसान नहीं होता, लेकिन शुभमन गिल ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज काफी परिपक्वता दिखाई है और उनके नेतृत्व में टीम को बल्लेबाजी में कोई बड़ी कमी नहीं दिखती। वॉन ने यह भी कहा कि भारत की टेस्ट टीम में इतनी गहराई और प्रतिस्पर्धा है कि यह टीम भविष्य में भी दबदबा कायम रख सकती है। उन्होंने हालांकि यह भी जोड़ा कि टीम को ज्यादा निरंतरता दिखानी होगी ताकि वह लंबे समय तक शीर्ष पर बनी रहे। वॉन ने चयन को लेकर कुछ सवाल भी उठाए और कहा कि वह जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में न खिलाने और कुलदीप यादव को बाहर रखने के फैसले से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि सात दिन का ब्रेक मिलने के बावजूद बुमराह को बाहर रखना और कुलदीप जैसे उपयोगी स्पिनर को नजरअंदाज करना समझ से परे है।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक,फैंस को करना होगा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुन: दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है।

फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

नीरज चोपड़ा ने अपने नाम किया एनसी क्लासिक 2025 का खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में नीरज चोपड़ा क्लासिक के पहले सीजन का आयोजन हुआ। जहां भारत के स्टार नीरज चोपड़ा ने एनसी क्लासिक 2025 का खिताब अपने नाम किया है। उन्होंने 86.18 मीटर थ्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बता दें कि, नीरज चोपड़ा ने पहले प्रयास में फाउल किया। जबकि इस दौरान जूलियस येगो ने सबसे बेहतरीन 79.97 मीटर दूर भाला फेंका। जबकि भारत की तरफ से रोहित यादव ने पहले प्रयास में 77.11 मीटर भाला फेंका। तो साहिल सिलवाल ने पहले प्रयास में 77.48 मीटर थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में नीरज ने 82.99 मीटर थ्रो किया। इसके बाद तीसरे प्रयास में उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो किया जो कि उनका बेस्ट थ्रो रहा। हालांकि, चौथे प्रयास में उन्होंने एक बार फिर फाउल किया। तो पांचवें प्रयास में 84.07 मीटर का थ्रो किया और आखिर में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बता दें कि, इसके साथ ही नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की, जब वह बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में मेजबान के रूप में किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पहले भारतीय बन गए।

मुझे जिम्मेदारी और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता-सिराज

बर्मिंघम (एजेंसी)। हैदराबाद एक्सप्रेस के नाम से मशहूर मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में अपने करियर की एक और यादगार पारी खेली। उन्होंने तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी में 70 रन देकर 6 विकेट झटके और टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सिराज ने इस कामयाबी को 'अविश्वसनीय' बताया और कहा कि वह लंबे समय से ऐसे प्रदर्शन का इंतजार कर रहे थे। इस टेस्ट में सिराज भारतीय पेस अटैक के लीडर हैं क्योंकि जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। उनके साथ आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अपेक्षाकृत नए तेज गेंदबाज खेल रहे हैं।

सिराज ने कहा कि जब आपको आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो मेरा लक्ष्य सिर्फ सही दिशा में अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना होता है। विकेट बहुत धीमी थी, इसलिए मेरी योजना रन रोकने और दबाव बनाने की थी। सिराज ने मैच के तीसरे दिन शुरुआत में ही इंग्लैंड की आधी टीम को 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया। हालांकि, इसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रुक (158) ने 303 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की वापसी कराई। फिर भी, सिराज ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट कर भारत को 587 के जवाब में इंग्लैंड को 407 पर समेटने में अहम भूमिका निभाई।सिराज ने अपने अनुभव और धैर्य पर भी बात की। उन्होंने कहा मुझे जिम्मेदारी पसंद है और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता है। टीम में मेरे साथी गेंदबाजों के पास बहुत ज्यादा अनुभव नहीं है। यह आकाशदीप का तीसरा या चौथा मैच है और प्रसिद्ध कृष्णा के लिए भी ऐसा ही है, इसलिए मुझे गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखनी थी और बल्लेबाजों पर दबाव डालना था। पिछली बार सिराज ने 6 विकेट जनवरी 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में लिए थे। इसके बाद 548 दिन बाद उन्हें एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट मिले। सिराज ने माना कि पिछले कुछ समय में वह अच्छी गेंदबाजी तो कर रहे थे लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। इस बार वह 'फ्रेश' रहने के लिए रूम में भी अलग से समय निकालकर ध्यान केन्द्रित कर पाए। टीम इंडिया के लिए यह जीत की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज ने जिस तरह गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी उठाई, उसे देखकर साफ है कि 'हैदराबाद एक्सप्रेस' सही समय पर पटरी पर लौट आई है।

भारतीय मूल के खिलाड़ियों के बारे में सरकार का रुख सकारात्मक इरादा दर्शाता है-एआईएफएफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों को देश के लिए खेलने के लिए प्रोत्साहित करने के सरकार के रुख को उचित माना है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए 'उम्मीद की किरण' है, लेकिन उन्होंने नीति को लागू करने में आने वाली कठिनाइयों को भी रेखांकित किया।

नई खेलो भारत नीति (राष्ट्रीय खेल नीति) को एक जुलाई को कैबिनेट की मंजूरी मिली और यह सरकार के पहले के रुख से अलग होने का संकेत देती है कि केवल भारतीय पासपोर्ट रखने वाले खिलाड़ी ही देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। चौबे ने एक बयान में कहा, ''जब राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन की बात आती है तो नीति में एक ऐसी बात है जिस पर हमने सक्रिय रूप से काम किया है जो भारत की प्रवासी प्रतिभाओं तक पहुंच की है। मुझे खुशी है कि नीति में इसका संदर्भ शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''यह सकारात्मक बयान है। एआईएफएफ फीफा और सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेगा।'' चौबे ने कहा, ''कुछ वर्षों से राष्ट्रीय टीम में ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया - भारतीय मूल के नागरिक) कार्ड वाले खिलाड़ियों को शामिल करने की मांग उठ रही है। हमने देखा है कि वियतनाम, श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया, हांगकांग, सिंगापुर, मध्य पूर्वी देश और यूरोप के देश अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए दोहरी नागरिकता वाले खिलाड़ियों का लाभ उठाते हैं।''

वर्ष 2008 में ओसीआई कार्ड धारकों के देश का प्रतिनिधित्व करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया जिससे कई खिलाड़ियों को भारत के विकास में योगदान करने से रोक दिया गया। खेलो भारत नीति के 20 पन्ने के दस्तावेज में कहा गया है कि खेल भारतीय प्रवासियों और देश के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर सकते हैं जिससे भावनात्मक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध बढ़ते हैं।

सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया मोहर्रम का त्यौहार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर में रविवार को मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। दिनभर विभिन्न स्थानों पर रंग-बिरंगे ताजियों की सजावट की गई, जिसके बाद शाम को एक विशाल जुलूस निकाला गया। इस्लामी कैलेंडर के पवित्र महीने मोहर्रम, जो नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, का विशेष महत्व है। यह महीना हजरत इमाम हुसैन की कर्बला में शहादत की याद में मनाया जाता है, और दसवां दिन 'रोज-ए-आशुरा' के रूप में खास होता है।

रीवा में मोहर्रम का इतिहास अनूठा और प्रेरणादायक है। 1758 में मुगल बादशाह शाह आलम की पराजय के बाद उनकी गर्भवती पत्नी मुबारक महल को रीवा के महाराजा अजीत सिंह ने शरण दी। महाराजा ने बेगम को मनगवां से रीवा लाकर मुकुंदपुर की गढ़ी में ठहराया, जहां उन्होंने अकबर द्वितीय को जन्म दिया। मुगल सैनिकों को बिछिया नदी के किनारे बसाया गया। उसी दौरान मोहर्रम के जुलूस की शुरुआत हुई, जब महाराजा ने सैनिकों को ताजिया बनाने के लिए बांस, लकड़ी, कपड़े और 33 रुपये 3 पाई नकद दिए।

मोहर्रम के जुलूस में मुगल सैनिक लकड़ी पटा खेलते हुए रीवा किले पहुंचे, जहां चंदेलिन महारानी कुन्दन कुंवरी ने ताजियादारों का स्वागत किया, शर्बत पिलवाया और नेग दिया। यह परंपरा आज भी कायम है। रीवा का शाही ताजिया जुलूस हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बना हुआ है, जो भारतीय संस्कृति की समावेशिता को दर्शाता है। आज भी ताजिया और अखाड़ा रीवा किले पहुंचते हैं, जहां परंपरागत स्वागत होता है।

सतना में पारिवारिक विवाद के चलते नदी में कूदे पति-पत्नी

पुलिस और मछुआरों ने बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शनिवार रात सतना के माधवगढ़ स्थित पुल से 23 वर्षीय प्रियंका रावत ने टमस नदी में छलांग लगा दी। पत्नी को कूदते देख पति प्रदीप रावत भी नदी में कूद गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर कोलगवां थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक बृजेश सिंह ने स्थानीय मछुआरों की मदद से दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला।

दंपती को जिला अस्पताल सतना ले जाया गया, जहां प्रियंका का इलाज चल रहा है। घटना की वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। त्योंधरी निवासी प्रियंका 5 दिन पहले ससुराल में विवाद के बाद सतना में किराए के कमरे में रह रही थी। शनिवार को पति प्रदीप ने कमरा खाली कराया और उसे वापस त्योंधरी ले जा रहा था, तभी नाराज प्रियंका ने नदी में छलांग लगा दी। प्रदीप के अनुसार, प्रियंका छोटी-छोटी बातों पर नाराज हो जाती थी। कोलगवां पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सतना में ट्रेन से टकराया बाघ का शावक, जू सेंटर में इलाज जारी

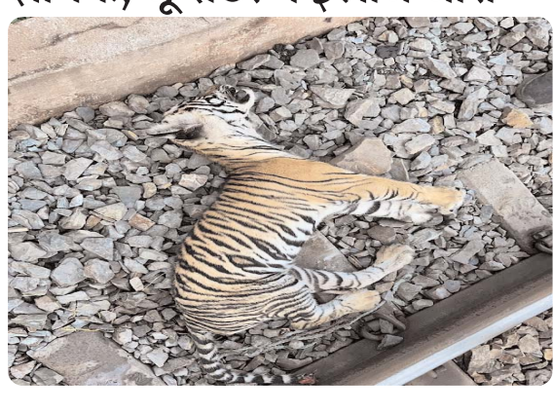

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले में रविवार सुबह एक बाघ का शावक ट्रेन की टक्कर से घायल हो गया। घटना मझगवां रेंज के हजारा नाला के पास चितहरा-सतना रेल जंक्शन के बीच हुई। घायल शावक, जिसकी उम्र लगभग 5 वर्ष है, के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शावक को इलाज के लिए मुकुंदपुर जू सेंटर ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि शावक किस ट्रेन से टकराया।

इससे पहले दिसंबर 2016 में इसी क्षेत्र में एक बाघ की ट्रेन से टक्कर के कारण मौत हो गई थी। वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से यह घटना चिंताजनक है, और रेलवे ट्रैक के आसपास वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन इस मामले की जांच कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

महिला के साथ छेड़छाड़ और मारपीट करते हुए डेढ़ लाख की लूट

पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के चोरहटा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़, मारपीट और लूट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता दीपा सिंह, पति राजेंद्र सिंह, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मैदानी, रीवा (मूल निवासी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश) ने दो आरोपियों, नीरज साहू और प्रिंस सेन, निवासी पडरा, रीवा, पर जबरन छेड़छाड़, चाकू से हमला और डेढ़ लाख रुपये की सोने की चैन छीनने का आरोप लगाया है।

पीड़िता दीपा सिंह ने बताया कि 11 जून 2025 को सुबह करीब 10.50 बजे वह मैहर से रीवा लौट रही थीं। रेलवे ब्रिज के पास सांची डेयरी गोडहर मोड़ पर बस से उतरकर अपने माता-पिता के घर जा रही थीं। तभी नीरज साहू और प्रिंस सेन ने पहले से ताक लगाकर उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। प्रिंस सेन ने उनका हाथ पकड़कर खींचा, और विरोध करने पर नीरज साहू ने उनके सीने पर हाथ लगाया और कपड़े खींचने की कोशिश की। दीपा के विरोध पर आरोपियों ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और नीरज साहू ने चाकू से उनके बाएं हाथ की कलाई पर हमला किया, जिससे गंभीर चोट लगी। इस दौरान दीपा ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। मौके का फायदा उठाकर आरोपी दीपा की डेढ़ लाख रुपये की सोने की चैन छीनकर फरार हो गए।

घायल अवस्था में दीपा सिंह ने चोरहटा थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की। पुलिस ने तत्काल उन्हें जिला चिकित्सालय बिछिया में एमएलसी और प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। इसके बाद उन्हें महिला वन स्टॉप सेंटर, चिरहुला कॉलोनी में छोड़ दिया गया, जहां वह रातभर रुकीं। अगले दिन उनके माता-पिता के आने पर वह घर जा सकीं।

दीपा ने बताया कि चोरहटा थाने में मुंशी ने पहले शिकायत दर्ज करने से मना किया, लेकिन रात 9 बजे के बाद शिकायत दर्ज की गई। इसके बावजूद, पुलिस ने अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं, और वे दीपा और उनके भाई को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

दीपा सिंह ने आईजी को ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने अपनी और अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। दीपा ने कहा कि आरोपी सरहंग किस्म के हैं और आए दिन अपराध को अंजाम देते हैं, जिससे वह डरी-सहमी हैं।

इस मामले में चोरहटा थाना प्रभारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

रीवा में एचटी लाइन की चपेट में आने से महिला की मौत, विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के वार्ड क्रमांक 5, ढेकहा के भवानी नगर में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से आरपीएफ जवान संजीव तिवारी की पत्नी प्राप्ति तिवारी की मौत हो गई। परिजनों और मोहल्ले वासियों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है।

जानकारी के मुताबिक, प्राप्ति तिवारी सुबह किसी काम से अपने घर की छत पर गई थीं, तभी छत के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि हादसे के बाद लाइन बंद कराने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को बार-बार फोन किया गया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। अंततः नरेंद्र मिश्रा, डीई से संपर्क होने पर लाइन बंद कराई गई। शव को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू की।

परिजनों और स्थानीय निवासियों ने विद्युत विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। रावेंद्र पांडे, परिजन, ने बताया कि भवानी नगर एक व्यवस्थित रिहायशी कॉलोनी है, जहां नगर निगम ने सड़कें और नालियां बनाई हैं। इसके बावजूद, पिछले 2-3 सालों से हाई टेंशन लाइन को शिफ्ट करने की मांग को अनसुना किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इस लाइन की चपेट में आकर एक लड़के की मौत हो चुकी है।

मोहल्ले वासियों ने विद्युत विभाग की लापरवाही को प्राप्ति तिवारी की मौत का जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना है कि जर्जर और खतरनाक हाई टेंशन लाइनें कॉलोनी के ऊपर से गुजर रही हैं, जिससे आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्युत विभाग के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और हाई टेंशन लाइन को तत्काल शिफ्ट किया जाए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन विद्युत विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल सर्वे और लाइन शिफ्टिंग की योजना बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

रीवा में पुराने मकान का छज्जा गिरने से बोलेरो गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त, राहगीरों को खतरा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के घोघर मोहल्ले में रविवार को एक पुराने मकान का छज्जा अचानक गिर गया, जिससे सड़क पर खड़ी एक बोलेरो गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह घटना उस समय हुई जब सड़क पर राहगीरों का आवागमन चल रहा था, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना रहा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, घोघर मोहल्ले में एक जर्जर मकान का छज्जा अचानक भरभराकर सड़क पर गिर गया। इस दौरान सड़क पर खड़ी एक बोलेरो गाड़ी छज्जे के मलबे की चपेट में आ गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय कोई राहगीर मलबे की चपेट में नहीं आया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और नगर निगम को सूचना दी, लेकिन खबर लिखे जाने तक न तो सिटी कोतवाली पुलिस और न ही नगर निगम की कोई टीम मौके पर पहुंची। इस लापरवाही से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जर्जर मकानों की वजह से इलाके में आए दिन खतरा बना रहता है, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।

घोघर मोहल्ले में जर्जर मकानों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन नगर निगम द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। राहगीरों को डर है कि ऐसे मकानों के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नगर निगम जर्जर मकानों की जांच करे और उन्हें हटाने या मरम्मत के लिए तत्काल कदम उठाए।

कमिश्नर आज करेंगे रीवा नगर निगम के कार्यों तथा बाढ़ तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद 7 जुलाई को सुबह 11 बजे रीवा नगर निगम के निर्माण कार्यों, शासन की प्राथमिकता वाली विभिन्न योजनाओं तथा विभागीय गतिविधियों के साथ ही बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। यह बैठक नगर निगम सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में आयुक्त नगर निगम तथा संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

टीएल बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 7 जुलाई को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के साथ ही आरबीसी के अन्तर्गत राहत एवं सीमांकन से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी। बैठक में विभागीय अधिकारी तथा जिले के समस्त तहसीलदार भी उपस्थित रहेंगे।

मैहर में दधीच गांव में 8 फीट के मगरमच्छ ने मचाई दहशत

वन विभाग ने 5 घंटे बाद दिलाई राहत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के दधीच गांव में शनिवार रात एक 8 फीट लंबा मगरमच्छ घुसने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 5 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मगरमच्छ को पकड़कर रामनगर के मार्कण्डेय डैम में सुरक्षित छोड़ दिया। शनिवार रात करीब 9 बजे ग्रामीणों ने वन विभाग को मगरमच्छ के गांव में घुसने की सूचना दी। मैहर, अमरपाटन और मुकुंदपुर वन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। सर्चलाइट और टॉर्च की मदद से मगरमच्छ की तलाश शुरू की गई। रात 2.30 बजे मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया गया और रविवार सुबह 3 बजे उसे मार्कण्डेय डैम में छोड़ दिया गया।

मैहर वन विभाग के रेंज अधिकारी सतीश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मगरमच्छ 7 से 8 फीट लंबा था। गांव के डैम के नजदीक होने के कारण वह बस्ती में चला आया था। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन में पूरी सावधानी बरती गई ताकि मगरमच्छ और ग्रामीणों को कोई नुकसान न हो।

रेस्क्यू ऑपरेशन में रेंजर सतीश चंद्र मिश्रा, शुभम खरे, डिप्टी रेंजर अमरपाटन शुक्ला, शिवम परोहा, अभिषेक परिहार, अभिषेक विश्वकर्मा, अखिलेश मिश्रा, व्यास पाण्डेय, सुशील पाण्डेय, अरुण सिंह, सीताराम और संजय शामिल थे। ग्रामीणों ने वन विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और राहत की सांस ली। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि डैम के आसपास सतर्क रहें और ऐसी घटनाओं की तुरंत सूचना दें।

मऊगंज में आकाशीय बिजली से दो बुजुर्गों सहित एक मासूम की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के मऊगंज नगर के वार्ड क्रमांक 1, सेमरिहा रोड तुर्की में शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो बुजुर्गों और एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुखवेन्द्र पटेल (65), चैतू कोल (70) और 13 वर्षीय लवकुश पटेल के रूप में हुई है। तीनों वार्ड क्रमांक 1, दुवगवा कुर्मियान के निवासी थे।

पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, शनिवार शाम करीब 5 बजे सुखवेन्द्र पटेल, चैतू कोल और लवकुश पटेल भैंस चराने गए थे। अचानक तेज बारिश शुरू होने पर तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजन और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और तीनों को सिविल अस्पताल मऊगंज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल प्रशासन की सूचना पर मऊगंज पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामे की कार्रवाई शुरू की। जिला कलेक्टर संजय कुमार जैन और पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और सरकारी मदद का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने मुआवजे की घोषणा की, जिससे पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

इस हादसे ने पूरे मऊगंज में शोक की लहर पैदा कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश के मौसम में आकाशीय बिजली का खतरा बढ़ गया है, और प्रशासन को लोगों को जागरूक करने के लिए कदम उठाने चाहिए। मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों में बिजली गिरने की संभावना जताई है और लोगों से खुले स्थानों व पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है।

रीवा जोन में नशे के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई, 4 क्विंटल 48 किलो गांजा ट्रक में लोड पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस ने नशे के खिलाफ विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 क्विंटल 48 किलो गांजे की खेप जब्त की है। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के बायपास मार्ग पर शनिवार देर रात की गई। पुलिस ने एक ट्रक को घेराबंदी कर पकड़ा, जिसमें भारी मात्रा में गांजा लोड था। इस दौरान दो तस्करों, वीरेंद्र पटेल निवासी अमरपाटन जिला मैहर और रोहित सिंह निवासी बलिया, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया।

रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह और एसपी विवेक सिंह के निर्देश पर गठित विशेष पुलिस टीम और विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। एडिशनल एसपी आरती सिंह और सीएसपी विवेक लाल ने बताया कि रीवा जोन में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ट्रक की तलाशी में 4 क्विंटल 48 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के मुताबिक, यह गांजा उड़ीसा से ट्रक में लोड कर रीवा लाया जा रहा था, जहां इसे फुटकर में बेचा जाना था। गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में पूछताछ कर रही है।

कार्रवाई में विश्वविद्यालय थाना प्रभारी हितेंद्र नाथ शर्मा, निरीक्षक विजय सिंह, उपनिरीक्षक अरविंद राठौर, शैल यादव और अन्य पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसपी विवेक सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी, ताकि अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसा जा सके। यह कार्रवाई रीवा जोन में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है।

मैहर जिले में 6 गांवों से करोड़ों की अवैध रेत जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले में अवैध रेत माफियाओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। शनिवार को कुबरी, मझटोलवा, खैरहनी, रोझोआ सहित 6 गांवों में राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर करोड़ों रुपये की अवैध रेत जब्त की। यह कार्रवाई नायब तहसीलदार रोशन लाल रावत पर रेत माफिया रावेंद्र सिंह बैस उर्फ नेपाली द्वारा ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश की घटना के बाद की गई।

शनिवार दोपहर 2 बजे तहसीलदार ललित धार्वे, नायब तहसीलदार रोशन रावत, खनिज इंस्पेक्टर सुशील चौरसिया, पुलिस इंस्पेक्टर टीकाराम कुर्मी और पुलिस बल ने कुबरी, मझटोलवा, खैरहनी, रोझोआ और अन्य गांवों में अवैध रेत भंडारों पर दबिश दी। इन गांवों में सैकड़ों स्थानों पर भारी मात्रा में रेत भंडारित मिली, जिसकी कीमत करोड़ों में आंकी गई है। जांच के दौरान कोई भी व्यक्ति रेत का मालिक होने का दावा करने नहीं आया। ये गांव जिला मुख्यालय से लगभग 120 किमी दूर हैं, जहां रेत माफिया बरसात के मौसम में रेत का भंडारण कर ऊंचे दामों पर बेचते हैं। इससे खनिज विभाग को रॉयल्टी का भारी नुकसान होता है। रावेंद्र सिंह बैस के खिलाफ पहले ही बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया जा चुका है।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जिन जमीन मालिकों की भूमि पर अवैध रेत डंप की गई है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। खनिज और राजस्व विभाग रेत के मूल्यांकन और वैधानिक कार्रवाई में जुटा है। हाल ही में कुबरी गांव में नायब तहसीलदार रोशन रावत पर रेत माफिया द्वारा ट्रैक्टर से हमले की कोशिश के बाद प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ा था। इस घटना ने क्षेत्र में रेत माफियाओं के बेखौफ रवैये को उजागर किया था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।